23 अप्रैल 2025

बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बक्सम में प्रोटोकॉल तोड़कर 20 मिनट के लिए गायब हुए डिप्टी सीएम, मचा हड़कंप

4

लश्कर-ए-तैयबा ने ली हमले की जिम्मेदारी: मरने वालों में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के पर्यटक शामिल

पहलगाम आतंकी हमला: दो विदेशी पर्यटकों समेत 26 की हत्या

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर आतंकी हमले में दो विदेशी पर्यटकों समेत 26 से ज्यादा लोग मारे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छुट्टियां मनाने आए पर्यटकों से आतंकियों ने पहले नाम पूछा, इसके बाद फायरिंग की और भाग निकले। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की। हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई। इनमें 2 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर आतंकी हमले में दो विदेशी पर्यटकों समेत 26 से ज्यादा लोग मारे गए। घटना बैसरन घाटी की है। यह पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छुट्टियां मनाने आए पर्यटकों से आतंकियों ने पहले नाम पूछा, इसके बाद फायरिंग की और भाग निकले। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली है। मरने वालों में एक इटली और एक इजराइल का पर्यटक है, जबकि दो स्थानीय नागरिक शामिल हैं। बाकी पर्यटक गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं। पहलगाम में पर्यटक पुलिस कर्मी के रूप में काम करने वाले स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि मैंने तीन घायल लोगों को रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को रेस्क्यू कर लिया। पहले ऐसी घटना यहां कभी नहीं हुई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया, जिसमें 24 लोग मारे गए। अनंतनाग के एक अस्पताल में घायलों को भर्ती किया गया, जिनमें से कुछ को गोली लगी थी। एक व्यक्ति की गर्दन में चोट थी। सीनियर पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर इसे नरसंहार बताया। यह हाल के वर्षों में पर्यटकों पर सबसे भीषण आतंकी हमला है।

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से पहलगाम 90 किलोमीटर दूर है, जो एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। पिछले साल 2024 में 35 लाख पर्यटक कश्मीर आए, जिनमें ज्यादातर भारतीय थे। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने इसे स्कीइंग और गर्मियों की छुट्टियों के लिए बढ़ावा दिया है। 2023 में श्रीनगर में जी20 पर्यटन बैठक हुई, जिसे शांति और सामान्य स्थिति की वापसी का प्रतीक बताया गया। भारत अक्सर पाकिस्तान पर विद्रोहियों को समर्थन देने का आरोप लगाता रहा है, जिसे इस्लामाबाद खारिज करता है। हाल के वर्षों का सबसे घातक हमला 2019 में पुलवामा में हुआ था, जिसमें 40 पुलिसकर्मी मारे गए थे>हालात का जायजा लेने गए गृहमंत्री शाहइस बीच, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के हालात का जायजा लेने के लिए मंगलवार को श्रीनगर रवाना हो गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाह से बात की और उन्हें केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करने को कहा। इसके तुरंत बाद वह जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हो गए। राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, गुप्तचर ब्यूरो के निदेशक तपन डेका और कुछ वरिष्ठ अधिकारी गृह मंत्री के साथ हैं। श्रीनगर में शाह सभी एजेंसियों के साथ तत्काल एक सुरक्षा समीक्षा बैठक करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। हमला अपराह्न करीब तीन बजे हुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिस जगह यह हमला हुआ। वहां सड़क मार्ग नहीं है। वहां पैदल और खच्चरों से ही आया-जा सकता है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमला साउथ कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में बैसरन घाटी के पास उंचाई पर हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट

जम्मू। हमले के तुरंत बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, आईबी चीफ, सीआरपीएफ और बीएसएफ डीजी, आर्मी के टॉप अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग की। इस हाई लेवल मीटिंग के तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हो गए। उनके अलावा अन्य तमाम सिक्योरिटी फोर्सेज के चीफ और अन्य आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्रालय, आर्मी, बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईबी अधिकारियों के बीच हुई मीटिंग में इस आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कहा गया है।पूरे इलाके में 15 मुख्य पाइंट से घेराबंदी की गई है। आतंकवादियों की तलाश में खोजी कुत्ते, ड्रोन और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूरे इलाके में सीआरपीएफ, बीएसएफ और आर्मी समेत जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान समर्थिक आतंकवादी ग्रुप लश्कर-ए-तैबा के मुखौटा टेरर ग्रुप द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ की तरफ से इस हमले की जिम्मेदारी ली है। लेकिन जांच की जा रही है कि इसके पीछे टीआरएफ ही है या फिर लश्कर या कोई और। टीआरएफ ने एक पेज के अपने संदेश में यह भी लिखा है कि जम्मू-कश्मीर में गैर स्थानीय लोगों को बसाया जा रहा है। यहां अवैध रूप से बसने की कोशिश करने वाले बाहरी लोगों के खिलाफ ऐसे ही हिंसा की जाएगी। वहीं दूसरी सरकारी एजेंसियों ने इस मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इस बात की जांच की जा रही है कि इतनी बड़ी घटना की जानकारी पूर्व क्यों नहीं मिल पाया।

मेरी आंखों के सामने पति से नाम पूछा और सिर में मार दी गोली

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में आतंकियों ने घूमने आए पर्यटकों पर हमला कर दिया। इस हमले में 26 लोगों के मारे जाने की आशंका है, जबकि कई घायल हुए है। घटना बैसरन घाटी में हुई, जो पहलगाम का एक मशहूर टूरिस्ट स्पॉट है। इस खूबसूरत जगह पर अचानक गोलियों की आवाज गूंज उठी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीद महिला की दर्दनाक कहानी है। हमले की चश्मदीद एक महिला का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। वो रोते हुए कह रही थी कि कृपया मेरे पति को बचा लो। लेकिन उसकी आवाज रोने और चीखों में दब गई थी। एक दूसरी महिला ने बताया कि हम भेलपुरी खा रहे थे। तभी एक बंदूकधारी आया, मेरे पति से नाम पूछा और सिर में गोली मार दी। एक और महिला जो घायल शख्स के पास बैठी थी, लोगों से मदद की गुहार लगाती रही कि सर, प्लीज मदद मंगवाओ। मेरे पति को अस्पताल जल्द ले चलो।

पहलगाम हमला: सीएम योगी बोले कायरतापूर्ण हरकत

जम्मू। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कायरतापूर्ण, अक्षम्य और घोर निंदनीय है। उन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति शोक संवेदनाएं जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा कि प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पीएम मोदी ने की आतंकी हमले की निंदा, बोले- किसी को बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़ी निंदा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही कहा कि हमले के पीछे जिसका भी हाथ है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। हमंत्री अमित शाह से फोन पर बात की और जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ने शाह से घटनास्थल का दौरा करने को भी कहा है।इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने एक आपात बैठक बुलाई, जिसमें आईबी चीफ, गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख और अधिकारी वर्चुअली इस मीटिंग में जुड़े।

उमर अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस हमले पर कहा कि वे इस घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों पर हमला बेहद शर्मनाक और अमानवीय है। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि वे श्रीनगर लौट रहे हैं और उनके सहयोगी घायलों की हालत जानने अस्पताल पहुंच गए हैं।साथ ही उन्होंने लिखा कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

बैसरन इलाके में हुआ हमला

जम्मू। टूरिस्टों पर यह आतंकी हमला मिनी स्विटजरलैंड कहे जाने वाले बैसरन इलाके में मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे हुआ। बताया जा रहा है कि आतंकी बैसरन घाटी के पहाड़ से नीचे उतरे और वहां घुड़सवारी करते टूरिस्टों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। वह आर्मी की वर्दी में थे। हमले में कुछ स्थानीय लोग और घोड़ों को भी गोली लगी है। सूत्रों का कहना है कि हमले में अपना पति खो चुकी महिला का दावा है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोली मारी। यह हमला पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने से पहले सोच विचारकर किया गया लगता है। एजेंसियों का मानना है कि हमला करने से पहले इलाके की रेकी की गई। आतंकवादियों ने यह सुनिश्चित किया कि यहां कितनी फोर्स लगी है। फिर मौका देखकर उन्होंने लोगों को टारगेट किया।

बोले धनखड़... संसद ही सुप्रीम, उससे ऊपर कुछ नहीं

एजेंसी/नई बेंगलूरू

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद ही सबसे ऊपर है। धनखड़ दिल्ली यूनिवर्सिटी में संविधान पर आयोजित प्रोग्राम में स्पीच दे रहे थे।धनखड़ ने कहा, संसद सर्वोच्च है और उसके ऊपर कोई नहीं हो सकता। सांसद ही असली मालिक हैं, वही तय करते हैं कि संविधान कैसा होगा। उनके ऊपर कोई और सत्ता नहीं हो सकती। इससे पहले 17 अप्रैल को धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का काम ऐसा है, जैसे वो सुप्रीम संसद हो। धनखड़ का यह बयान तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का मामला पहुंचा है। दुबे ने कहा था कि मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। ऐसे में उखक किसी राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकते हैं। धनखड़ ने कहा- एक प्रधानमंत्री ने आपातकाल लगाया था। उन्हें 1977 में जवाबदेह ठहराया गया था। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि संविधान जनता के लिए है और यह उन्हें सुरक्षित रखता है। संविधान में कहीं नहीं कहा गया है कि संसद से ऊपर कोई और संस्था है। धनखड़ ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा कहे गए शब्द, देश के सर्वोच्च हित को ध्यान में रखकर ही बोले जाते हैं। इससे पहले 17 अप्रैल को जगदीप धनखड़ ने कहा था कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। सुप्रीम कोर्ट और संसद के कार्यक्षेत्र को लेकर बहस तमिलनाडु सरकार और वहां के राज्यपाल के बीच विवाद से शुरू हुई थी।

समस्तीपुर में अलग-अलग सड़क हादसे में पांच की मौत

केटी न्यूज/समस्तीपुर

समस्तीपुर जिला के दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र में मंगलवार को तीन सड़क हादसे में हुए। जहां 5 युवक की मौत हो गई। वहीं 8 से अधिक लोग जख्मी हो गए हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। मृतक युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। दलसिंहसराय अनुमंडल के अंगारघाट थाना क्षेत्र के डढ़िया असाधर गांव में दो बाइक के आमने-सामने की हुई। टक्कर में दोनों बाइक पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जहां तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अंगारघाट थाना क्षेत्र के डढ़िया असाधर निवासी दिनेश पासवान का पुत्र श्रवण कुमार, बेगूसराय खोदावंदपुर थाना क्षेत्र के मालपुर निवासी नीरज कुमार और विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सुरौली शाहपुर निवासी नीतीश कुमार के रूप में की गई है।

यूपीएससी से जारी रिजल्ट में 1009 अभ्यर्थियों का हुआ चयन, टॉप पांच में तीन महिलाएं शामिल

यूपीएससी का फाइनल रिजल्ट जारी: प्रयागराज की शक्ति दुबे बनी टॉपर

एजेंसी/नई दिल्ली

सिविल सेवा परीक्षा 2024 का फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। प्रयागराज की शक्ति दुबे ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं, वहीं बिहार के राजकृष्ण झा को आठवां स्थान मिला है। इस बार कुल 1009 कैंडिडेट्स का चयन हुआ है, जिसमें टॉप 5 में तीन महिलाएं शामिल हैं। यूपीएससी यानि संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सर्विस एग्जाम 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। प्रयागराज की शक्ति दुबे ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। टॉप 5 में तीन लड़कियां शामिल हैं। बिहार के राजकृष्ण झा को मेरिट लिस्ट में आठवां स्थान मिला है।

यूपीएससी की ओर से जारी मेरिट लिस्ट में कुल 1009 कैंडिडेट्स का नाम शामिल है। यूपीएससी की यानि सिविल सर्विस एग्जाम में जो 1009 कैंडिडेट्स सिलेक्टड हुए हैं, उनमें जनरल केटेगरी के 335, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 109, पिछड़ा वर्ग के 318 , अनुसूचित जाति के 160 और अनुसूचित जनजाति के 87 कैंडिडेट्स शामिल हैं।

टॉप 5 कैंडिडेट्स में 3 महिलायें

यूपीएससी टॉपर्स की लिस्ट में पहले पांच कैंडिडेट्स में 3 लड़कियों का नाम शामिल हैं. वहीं, टॉप 10 में 4 लड़कियां शामिल हैं। टॉप 25 कैंडिडेट्स में 11 लड़कियां और 14 लड़के शामिल हैं। यूपीएससी की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक टॉपर्स ने आईआईटी, एनआईटी, वीआईटी, जेएनयू, दिल्ली यूनिवर्सिटी और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग, मेनिटीज, विज्ञान, कॉमर्स, मेडिकल साइंस और आर्किटेक्ट में ग्रेजुएशन किया है।

रैंक नंबर 1 - शक्ति दुबे: प्रयागराज की शक्ति दुबे ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से यूपीएससी 2024 में टॉप कर इतिहास रचा है। शक्ति दुबे ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से बायोकैमेस्ट्री में एमएससी की है। 2018 में पोस्ट ग्रेजुएट होने के बाद शक्ति दुबे ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। दूसरे स्थान पर रहने वाली हर्षिता गोयल मूल रूप से हरियाणा की रहने वाली हर्षिता गोयल नंबर 2 पर रही हैं। हर्षिता का जन्म हरियाणा में हुआ। इसके बाद परिवार गुजरात के वडोदरा आ गया. हवे थैलेसीमिया और कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए अहमदाबाद के बीलीफ फाउंडेशन के साथ काम कर चुकी हैं।

घटना नोखा थाना क्षेत्र के आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर हुई, शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे युवक

शिक्षा विभाग की गाड़ी ने बाइक सवार 3 लोगों को मारी टक्कर, दर्दनाक मौत

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास में एक भयानक सड़क दुर्घटना हुई है, जिसमें शादी में जा रहे तीन युवकों को एक स्कॉर्पियो ने रौंद दिया। इस हादसे में युवकों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। स्कॉर्पियो पर दावथ के बीईओ का बोर्ड लगा हुआ था। मृतकों की पहचान और मातम में डूबा गांवमृत युवकों की पहचान मुजनू गांव के निवासी मंतोष कुमार (20), भुअर कुमार (18) और सजन कुमार (22) के रूप में की गई है। तीनों आपस में घनिष्ठ मित्र थे और किसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए रामनगर जा रहे थे। घटना के बाद मुजनू गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

शादी समारोह की खुशियां मातम में बदलीं : स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तीनों युवक बाइक से शादी समारोह में जा रहे थे। रास्ते में सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने तेज रफ्तार में उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी : हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोग जब स्कॉर्पियो के पास पहुंचे, तो देखा कि उस पर बीईओ दावथ (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, दावथ) का बोर्ड लगा हुआ है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश था।

न्याय और जवाबदेही की दरकार

यह दर्दनाक हादसा न केवल तीन युवाओं की जान लेकर गया, बल्कि यह भी दिखाता है कि सरकारी संसाधनों के उपयोग में कितनी लापरवाही बरती जा रही है। अब सभी की निगाहें पुलिस की जांच और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि क्या इस मामले में कोई ठोस कदम उठाया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय वाहन अक्सर नियमों की अनदेखी करते हुए तेज गति से गाड़ी चलाते हैं। साथ ही नियमानुसार उन्हें विभागीय कार्य से ही इसका उपयोग करना है। परंतु अधिकारी इसे निजी उपयोग में भी लाया जा रहा है। यह जांच का विषय है।

पुलिस ने गाड़ी जब्त कर शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलते ही नोखा थाना प्रभारी दिनेश मलाकार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेजा गया। वहीं, स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि वाहन पर लगे सरकारी बोर्ड की सत्यता की जांच की जा रही है। इस हादसे ने शिक्षा विभाग के वाहनों के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय वाहन अक्सर तेज रफ्तार में चलते हैं और नियमों की अनदेखी करते हैं। अब पुलिस यह भी जांच कर रही है कि स्कॉर्पियो किस उद्देश्य से चल रही थी और उसमें कौन लोग सवार थे।

मुआवजे की मांग और शांतिपूर्ण विरोध : घटना के बाद पीड़ित परिवारों और ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि मृतक युवक कम उम्र के थे और अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ थे। वहीं, गुस्से के बावजूद गांव में शांति का माहौल बना रहा और लोगों ने प्रशासन से न्याय की मांग करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं, हादसे के बाद बाइक के कुछ पाट्‌र्स बिखर गए और उसमें आग लग गई। इएड आनंद प्रसाद की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल हादसे के बाद से फरार हैं। वहीं, उनके ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है। स्कॉर्पियो पर 'बीईओ दावथ' का स्टीकर लगा है। गुस्साए लोगों ने उनकी गाड़ी रोकी तो बीईओ फरार हो गए। ग्रामीणों ने सरकारी वाहन होने के कारण स्कॉर्पियो को नुकसान नहीं पहुंचाया। नोखा थाना प्रभारी दिनेश मलाकार ने स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। पुलिस स्कॉर्पियो पर लगे सरकारी बोर्ड की सत्यता की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वाहन में कौन-कौन सवार थे और गाड़ी किस उद्देश्य से चलाई जा रही थी। थाना प्रभारी के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिहार के सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी बसपा

केटी न्यूज/पटना

बहुजन समाज पार्टी के राज्यसभा सांसद व नेशनल कॉर्डिनेटर रामजी गौतम ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी और किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने यह बात पटना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। रामजी गौतम ने कहा कि अगर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बिहार में बनती है, तो उत्तर प्रदेश की तरह बहन मायावती द्वारा गरीबों और वंचितों के लिए शुरू की गई योजनाओं को बिहार में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बसपा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के अधिकार और सम्मान के लिए काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी।सांसद रामजी गौतम ने यह भी जानकारी दी कि 9 मई को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 26 जून को बापू सभागार, पटना में छत्रपति महाराज की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आमजन जुटेंगे।

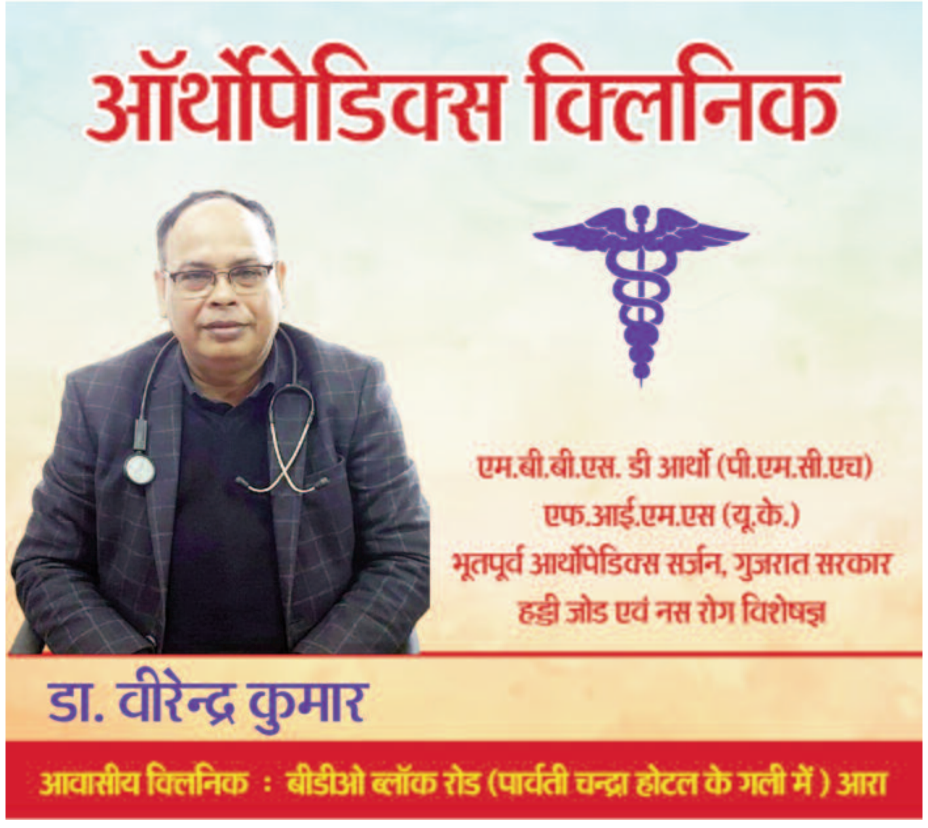

बिहार में एक साथ 17 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के गृह विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए एक साथ 17 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इतना ही नहीं इसके साथ-साथ कुछ आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। ट्रान्सफर किये गये आईपीएस अधिकारियों में 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार दाराद, 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार जैन, 2002 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश राठी, 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी रंजीत कुमार मिश्रा, 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी बाबू राम, 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी जयंत कांत सहित अन्य अन्य आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार दाराद को आतंकवाद निरोधक दस्ता का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। वह विधि-व्यवस्था के साथ-साथ विशेष निगरानी इकाई के अपर पुलिस महानिदेशक की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्तमान में अपाराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) के अपर पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार जैन को मद्द निषेध के अपर पुलिस महानिदेशक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। 2002 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश राठी को आर्थिक अपराध इकाई (साईबर क्राइम) के पुलिस महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार समाप्त करते हुए उन्हें विशेष शाखा के महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वह फिलहाल तकनीकी सेवा एवं संचार के पुलिस निरीक्षक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी जयंत कांत फिलहाल अपराध अनुसंधान विभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर पदस्थापित हैं। अब उन्हें राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के पुलिस उप महानिरीक्षक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है।

वक्फ कानून के खिलाफ आक्रोश मार्च

कैमूर। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के विरोध में कैमूर जिले के भभुआ शहर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन और भीम आर्मी के संयुक्त बैनर तले मुस्लिम और दलित समुदाय के सैकड़ों लोगों ने जोरदार आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान के काफिले का जमकर विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने जैसे ही मंत्री का काफिला देखा उनके विरोध में नारे लगाते हुए उनकी गाड़ी से जदयू का झंडा उखाड़ दिया। माहौल बिगड़ता देख मंत्री का काफिला वहां से रवाना हो गया। मार्च पटेल चौक से शुरू होकर शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए समाहरणालय पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने धरना दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से प्रेमी-प्रेमिका की मौके पर मौत

पटना। महात्मा गांधी सेतु पर सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्रेमी-प्रेमिका की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सेतु के पाया संख्या 18-19 के बीच हुआ, जब एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक-युवती को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान उनके पास मिले पहचान पत्रों से की। युवक की पहचान पटना जिले के संपतचक थाना क्षेत्र के बहुआरा निवासी आदर्श कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई, जबकि युवती सीतामढ़ी जिले के मिचीर्वारा निवासी अनिल कुमार की पुत्री आरती कुमारी के रूप में पहचानी गई। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, आदर्श और आरती दोनों पिछले एक वर्ष से पटना की एक निजी कंपनी में साथ काम कर रहे थे।

बैंक से ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने का मामला, गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

केटी न्यूज/भागलपुर

भागलपुर में साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन लोन दिलाने का लालच देकर भोली-भाली महिलाओं से लाखों रुपये ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़ ?किया ?है। पुलिस ने गिरोह की चार महिलाओं और एक पुरुष सरगना को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज और मोबाइल फोन बरामद हुए, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।मामले को लेकर साइबर डीएसपी कनिष्क श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि गिरोह बूढ़ानाथ मंदिर स्थित एक विवाह-भवन से अपना नेटवर्क चला रहा था। तकनीकी जांच व पीड़ितों के बयानों के आधार पर पुलिस ने महज छह घंटे में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया और बंधक बनाई गई महिलाओं को मुक्त कराया।

अब तक 50 हजार से 80 लाख रुपये की ठगी

जांच में सामने आया कि गिरोह ने प्रत्येक पीड़िता से न्यूनतम 50हजार और अधिकतम 80 लाख रुपये तक वसूले। खगड़िया जिले के गोगरी-जमालपुर और नवगछिया अनुमंडल के नारायणपुर की कई महिलाएं शिकार बनीं। बताया जा रहा है कि 21 अप्रैल को माला

देवी ने लिखित शिकायत दी थी कि ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर उनकी रकम मांगी जा रही है और कुछ महिलाओं को बंधक बनाया गया है। इसी आधार पर एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी की निगरानी में विशेष टीम गठित हुई और विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की गई।

गिरोह का तरीका बेहद शातिराना : इस ठगी गिरोह की महिलाएं आसपास के ग्रामीण इलाकों की सीधी सादी महिलाओं को अपना निशाना बनाती थीं। बैंक से लोन दिलाने के नाम पर इनसे 50 हजार से लेकर लाखों रुपये तक वसूलती थीं। इसके बाद दूसरी महिलाओं को पूंजी लगाने के लिए प्रेरित करती थीं। डीएसपी ने बताया कि ठगी का यह नेटवर्क महिलाओं को दोगुना-चार गुना मुनाफा देने का लालच देता था।

सीतामढ़ी के राज कृष्ण झा ने आठवीं रैंक हासिल कर बिहार का नाम रोशन किया

यूपीएससी की परीक्षा में टॉप-20 में बिहार के तीन अभ्यर्थी

केटी न्यूज/पटना

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस बार प्रयागराज की शक्ति दुबे ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं कुल 1,009 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और अन्य केंद्रीय सेवाओं (ग्रुप अ और इ) के लिए चुना गया है।

अब तक मिली खबर के अनुसार, इस बार बिहार से छह उम्मीदवारों को सफलता मिली है। इसमें जमुई के तीन, सीतामढ़ी के एक, पूर्व चंपारण के एक और बक्सर के एक अभ्यर्थी शामिल हैं। तीन अभ्यर्थियों ने टॉप 20 में अपनी जगह बनाई है। **सीतामढ़ी के राज कृष्ण झा टॉप 10 में शामिल :** सीतामढ़ी के अथरी गांव निवासी राज कृष्ण झा ने आठवीं रैंक हासिल कर बिहार का नाम रोशन किया है। राज कृष्ण फिलहाल कोल्हापुर में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम में असिस्टेंट मैंनेजर के पद पर कार्यरत हैं। देश की सबसे कठिन परीक्षा में एक यूपीएससी सीएसई 2024 पास करने वाले राज कृष्ण झा की सफलता गांव ही नहीं पूरे बिहार में खुशी है। ग्रामीणों का कहना है कि जॉब में रहने के बावजूद कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर राजकृष्ण झा ने सफलता पाई। उन्होंने मोतिलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेन्कोलॉजी से 2018 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की हासिल की। इसके बाद उन्हें एचपीसीएच में नौकरी मिल गई। नौकरी करते हुए राज कृष्ण झा ने यूपीएससी की तैयारी की और सफलता पाई।

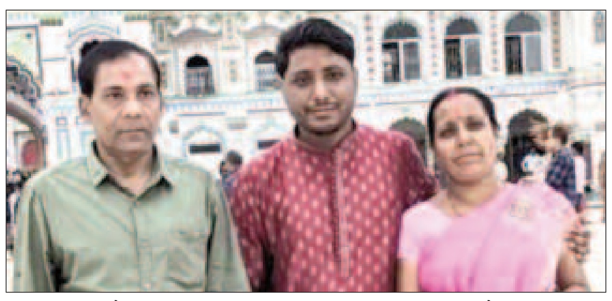

बक्सर के हेमंत मिश्रा को मिला 13वां स्थान : बक्सर जिले के कुसरूपा गांव निवासी हेमंत मिश्रा ने 13वां स्थान हासिल कर बिहार का नाम रोशन किया। रोशन यूपी के मिजार्पुर में एसडीएम हैं। यूपीएसपी में सफलता नहीं मिलने पर उन्होंने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास की और एसडीएम बन गए। इस बार यूपीएससी की परीक्षा में 13वां स्थान हासिल किया।

जमुई की संस्कृति को मिला 17 स्थान: जमुई जिला निवास संस्कृति त्रिवेदी को 17वां स्थान मिला है। वहीं पारस कुमार को 269वां स्थान मिला है। पारस फिलहाल जमुई में शिक्षा विभाग में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वहीं ईशा रानी ने 384 स्थान हासिल किया है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 23 अप्रैल 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

बक्सर के हेमंत ने यूपीएससी में पाया 13वां रैंक, बनेंगे जिलाधिकारी

- वर्तमान में एसडीएम के पद पर है कार्यरत
- हेमंत की सफलता से पूरा जिला है गौरवान्वित
- गरिमा लोहिया के बाद बक्सर जिले से यूपीएससी में बेहतर रैंक लाने वाले मात्र दूसरे युवा बने हेमंत मिश्रा

केटी न्यूज/बक्सर

कौन कहता है आसमां में सुराग हो नहीं सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालों यारों..., बक्सर के ओमप्रकाश मिश्र के पुत्र हेमंत ने देश की सबसे कठिन माने जाने वाली यूपीएससी परीक्षा में 13 वां रैंक ला इस उक्ति को एक बार फिर से साबित कर दिखाया है। इसके पूर्व तीन साल पहले उन्होंने पहले प्रयास में ही यूपीएससी परीक्षा पास कर एसडीएम बने थे। वे फिलहाल उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले में एसडीएम के पद पर कार्यरत है।

मंगलवार को यूपीएससी का रिजल्ट जारी होते ही परिवार खुशियों से उछल पड़ा। आखिरकार उनका लाल देश के सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षा यूपीएससी को पास कर सबसे प्रतिष्ठित पद जिलाधिकारी बन गया है। रिजल्ट जारी होते ही परिवार में जहां खुशियां छा गई है, वहीं, जिलेवासी भी अपने इस लाल की सफलता से गर्व महसूस कर रहे है।

बता दें कि इसके पहले बक्सर की ही गरिमा लोहिया ने इस परीक्षा में द्वितीय रैंक हासिल की थी। गरिमा के बाद इस प्रतिष्ठित परीक्षा में इतने बेहतर रैंक लाने वाले जिले के मात्र दूसरे युवा बने है। उनकी इस सफलता से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी में जुटे युवाओं को बड़ी प्रेरणा मिली है। हेमंत ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, और मेहनत को दिया। उनका मानना है कि लगन और ईमानदारी से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता।

माता-पिता दोनों शिक्षा विभाग में कार्यरत

हेमंत मूलरूप से जिले के राजपुर प्रखंड के कुसरूपा गांव के निवासी है। फिलहाल उनका परिवार बक्सर के धोबीघाट के गली नंबर एक में रहता है। पिता ओमप्रकाश मिश्र शिक्षा विभाग में एपीओ के पद पर कार्यरत है। उनकी पोस्टिंग कैमूर जिले में है। जबकि माता नम्रता मिश्रा एक निजी विद्यालय की शिक्षिका हैं। हेमंत के छोटे भाई शिशिर मिश्रा आईआईटी से स्नातक कर अमेरिका की एक प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत हैं। वहीं, चाचा बजरंगी मिश्र जिले के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता है तथा हाल ही में गठित हुई जन सुराज पार्टी के कद्दावर नेता है। बजरंगी मिश्रा ने बताया कि हेमंत बचपन से ही मेधावी रहा है। हेमंत की प्रारंभिक पढ़ाई बक्सर से ही हुई थी। वहीं, डीएवी पटना से इंटरमीडिएट करने के बाद वह स्नातक की पढ़ाई दिल्ली के जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी से की। इसके बाद वह जेएनयू से पीजी की पढ़ाई भी पूरी कर चुके है। हेमंत ने अभी भी अपनी पढ़ाई जारी रखी है तथा वे जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी से रिसर्च कर रहे है।

डुमरी के यश कुमार को मिला 227वां रैंक

डुमरांव। बक्सर के हेमंत मिश्र के साथ ही डुमरांव अनुमंडल के सिमरी अंचल के डुमरी गांव निवासी संजय कुंवर के पुत्र यश कुमार को इस परीक्षा में 227 वां रैंक मिला हैं। खास यह कि उसने यह सफलता पहले प्रयास में ही पाई है। यूपीएससी का रिजल्ट जारी होने के बाद से ही डुमरी गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है।

यश के पिता संजय कुंवर पं. बंगाल में डीएसपी के पद पर कार्यरत है। उनका परिवार कोलकाता में ही रहता है। यश के चचेरे भाई अजय कुंवर ने बताया कि यश ने कोलकाता से ही इंटर तक की पढ़ाई की है। इसके बाद वह ग्रेजुएशन करने के लिए दिल्ली चला गया। जहां, ग्रेजुएशन के साथ वो यूपीएससी की तैयारी कर रहा था तथा पहले प्रयास में ही उसने सफलता के झंडे गाड़ दिए। संजय ने बताया कि यश शुरू से ही मेधावी रहा है तथा बचपन से ही उसे किताबों से लगाव रहा है। वहीं, पूरा परिवार उच्च शिक्षित है। जिसका लाभ उसे मिला है। अजय ने बताया कि यश दो भाईयों में छोटा है। उनकी माता उर्मिला देवी गृहिणी है।

खबरें फटाफट

दो पक्षों की मारपीट में एक युवक जख्मी

नावानगर। सोनवर्षा थाना के रामनगर गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों आमने सामने हो गए। दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर लाठियां चलाई। जिससे एक युवक जख्मी हो गया। जिसका इलाज नावानगर सीएचसी में कराया गया। इधर जख्मी युवक नन्द बिहारी सिंह द्वारा सोनवर्षा थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दिए गए आवेदन में जख्मी ने बताया कि गांव के ही हरेराम यादव ने शराब के नशे में उसके दरवाजे पर आकर गाली -गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर मारपीट करने लगे। सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पीड़ित युवक के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है।

मारपीट का अभियुक्त गिरफ्तार, गया जेल

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने थाना क्षेत्र के भदार गांव में छापेमारी कर मारपीट कांड के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त उक्त गांव के लालबाबु सिंह बताया जाता है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को काफी दिनों से तलाश थी। सोमवार की देर शाम गुप्त सूचना पर अभियुक्त के घर छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया है।

किसान कल्याण संवाद व किसान युवा सम्मान समारोह में शामिल हुए डिप्टी सीएम

बक्सर जिले में जैविक खेती की है अपार संभावनाएं, प्रतिभावान हैं यहां के किसान

- उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा की अध्यक्षता में समारोह आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में किसान कल्याण संवाद एवं किसान युवा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन डीआरसीसी बक्सर में किया गया।

यह किसान कल्याण संवाद कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा किसानों की भागीदारी बढ़ाने, योजनाओं की जानकारी देने और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान निकालने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इससे किसानों को नई ऊर्जा प्राप्त हुई। संवाद कार्यक्रम में किसानों द्वारा एक-एक कर अपने अनुभवों को साझा किया गया। वहीं, किसानों ने भी खुलकर अपनी समस्याओं को भी रखा, जिसके समाधान का उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया।

नवीनतम तकनीक की खेती को रोल मॉडल के रूप में किया जा रहा विकसित : जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बताया कि बक्सर जिले में नवीनतम तकनीक से लैश खेती को रोल मॉडल के रुप में विकसित करने लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि में नवाचार, जैविक खेती, बागवानी, फूलों की खेती, या तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि को बढ़ाव देने के लिए जिला प्रशासन काफी तत्पर है तथा किसानों को समय पर खाद, पानी, बीज के अलावे समय-समय पर उन्हें आत्मा के तहत नई तकनीकियों का प्रशिक्षण भी दिलवाया जाता है।

उप मुख्यमंत्री ने की कृषि व खान एवं भू-तत्व विभाग की समीक्षा: किसान संवाद कार्यक्रम के बाद उप मुख्यमंत्री ने समाहरणालय सभा कक्ष में कृषि तथा खान एवं भू-तत्व विभाग के कार्यों के कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने कृषि विभाग अंतर्गत क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं जैसे कृषि यांत्रिकरण योजना, कस्टम हायरिंग सेंटर, सिंचाई व्यवस्था, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, मैनुअल कृषि यंत्र कीट वितरण आदि में जिले की प्रगति से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। वहीं, उपमुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए जिला प्रशासन हमेशा तत्पर रहता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन सरकार के जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रही है। किसी प्रकार की अनियमितता परिलक्षित होने पर कठोर कार्रवाई की जा रही है।

इस अवसर पर संजय कुमार अग्रवाल सचिव कृषि विभाग, डॉ. बीरेंद्र कुमार यादव विशेष सचिव कृषि विभाग, नितिन कुमार सिंह कृषि निदेशक, धनंजयपति त्रिपाठी अपर संयुक्त सचिव-सह-निदेशक बामेती, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर, खनिज विकास पदाधिकारी बक्सर, सभी संबंधित पदाधिकारी एवं टास्क फोर्स के सदस्य उपस्थित थे।

युवा किसान साझा करें अपने आईडियाज

इस अवसर पर कृषक युवा कल्याण सम्मान के तहत जिले के वैसे युवा किसानों से संवाद किया गया, जिन्होंने कृषि में नवाचार, जैविक खेती, बागवानी, फूलों की खेती, या तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। यह संवाद उन्हें प्रोत्साहित करेगा और अन्य किसानों को भी प्रेरणा देगा। उन्होंने युवा किसानों से अपने आईडियाज को दूसरे किसानों से साक्षा कर उन्हें प्रेरित करने की अपील की और कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। वहीं, उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के किसानों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बक्सर में जैविक खेती की अपार संभावनाएं हैं। किसानों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय पर पर्यावरण संरक्षण तथा लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए जैविक खेती ही अब एकमात्र विकल्प बची है। अन्नदाताओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैविक खेती करने वाले किसानों को संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी।

एक नजर

दुर्घटना: राजपुर में खड़ी ट्रक से टकराई बाइक, युवक की इलाज के दौरान मौत

अस्पताल में इलाज कराते हादसे में जख्मी दोनों लोग।

बक्सर। जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के चौसा-कोचस स्टेट हाईवे पर मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। घटना में भलुहा बाजार के समीप सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक में तेज रफ्तार बाइक जा भिड़ी, जिससे बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तुरंत राजपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक इलाज शुरू किया। लेकिन उनकी हालत काफी गंभीर थी। इससे पहले चिकित्सक उन्हें सदर अस्पताल रेफर करते तब तक अत्यधीक खून निकल जाने के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के तारनपुर गांव निवासी बंशीधर सिंह के पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, विकास दो अन्य लोगों के साथ बाइक पर सवार होकर किसी जरूरी कार्य से सुबह-सुबह ही घर से निकले थे। रास्ते में अंधेरा और ट्रक पर उचित संकेतक नहीं होने के कारण वे खड़ी ट्रक को समय पर देख नहीं सके और उनकी बाइक व ट्रक में सीधा टक्कर हो गई। जिसमें वह गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को राजपुर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अधिक रक्तस्त्राव और गंभीर चोटों के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे, जहां का माहौल शोकाकुल हो गया। वहीं, राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। राजपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि घटना में प्रयुक्त ट्रक को जब्त कर लिया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

विवाह के एक महीने के अंदर सदेहास्पद परिस्थिति में हुई नव विवाहिता की मौत

- अज्ञात कारणों से युवती ने फंदे से लटक कर दे दी अपनी जान

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छतनवार गांव में एक नवविवाहिता की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई है। उसका शव फंदे से लटका मिला है। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी। हालांकि, इस मामले में उसके मायके वालों ने किसी तरह के आरोप नहीं लगाया है, बावजूद पुलिस घटना की पड़ताल कर रही है।

मृतका नीतू देवी उम्र 20 वर्ष की शादी मार्च महीने में ही कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छतनवार गांव निवासी बृज बिहारी राम के पुत्र रंभू राम से

हुई थी। वह मूलरूप से बगेन थाना क्षेत्र के राजपुर गांव रंजन राम की पुत्री थी। बताया जाता है कि अज्ञात कारणों से उसने मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे फंदे से लटक जान दे दी है। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजनों की चिख पुकार सुन आस पास के लोग भी उसके दरवाजे पर पहुंचे। वहीं, स्वजनों तथा ग्रामीणों ने मृतका के मायके वालों के साथ ही कृष्णाब्रह्म पुलिस तथा एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है। घटना को ले गांव में चचाओं का बजार तेज हो गया है।

जबकि घटना की जानकारी मिलने पर पहुंचे उसके मायके वाले काफी दुखी नजर आ रहे थे, लेकिन वे ससुराल पक्ष पर किसी तरह का आरोप नहीं लगा रहे थे।

इस संबंध में डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि नवविवाहिता की मौत की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच जांच पड़ताल किया गया। उसके मायके वालों ने अभी तक किसी तरह का आरोप नहीं लगाया है। वैसे पुलिस अपने स्तर से इस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मायके वालों द्वारा आवेदन नहीं देने पर यूडी केस दर्ज किया जाएगा।

दो शराब तस्कर व हंगामा करता शराबी गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो तस्करों के साथ ही एक शराबी को गिरफ्तार कर जेल भेजा हैं। इस दौरान पुलिस ने दोनों तस्करों के पास से शराब की खेप भी बरामद की है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के मुगांव गांव में छापेमारी कर पप्पू राम पिता स्व. मुरली राम के घर से 10 लीटर तथा विनोद पासवान पिता कृपाल पासवान के घर से डेढ़ लीटर देशी शराब बरामद करने के साथ ही शराब तस्करी के आरोप में दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी तरफ एक शराबी को भी पकड़ न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उसकी पहचान दखिनांव गांव निवासी सुरेन्द्र ततवा के रूप में हुई है। वह शराब के नशे में कोरानसराय बाजार में हंगामा कर रहा था तथा लोगों को गालिया दे रहा था। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे पकड़ मेडिकल जांच में शराब की पुष्टि होने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

उपभोक्ता आयोग ने किंग खान, आदित्य बिरला व बायजूस कंपनी पर जारी किया नोटिस

4517425 रुपए के हर्जाना के लिए परिवाद दाखिल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर उपभोक्ता आयोग ने बालीवुड में किंग खान के नाम से मशहूर अभिनेता शाहरूख खान, प्रसिद्ध उद्योगपति आदित्य बिरला एवं ऑन लाईन क्लास चलाने व स्टडी मेटेरियल देने वाली बायजूस पर नोटिस जारी किया है।

बता दें कि डुमरांव के ठठेरी बाजार निवासी मनोज कुमार सिंह ने उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर कर तीनों को परिवादी बनाया है तथा 45 लाख 17 हजार 425 रूपए के हर्जाना की मांग की है। मंगलवार को उपभोक्ता आयोग में इस मामले की सुनवाई की गई, जहां आयोग ने परिवाद पत्र संख्या 26/2025 को स्वीकार करते हुए शाहरुख खान, आदित्य बिरला फाइनेंस एवं बायजूस शिक्षण संस्थान को नोटिस जारी किया है।

परिवाद में परिवादी ने जिक्र किया है कि वे अपनी बेटी श्रेयशी सिंह के ऑनलाइन पढ़ाई के लिए विपक्षी बायजूस में नामांकन कराया था, जहां परिवादी को 10 हजार रुपए डाउन पेमेंट करना था तथा शेष राशि का भुगतान आदित्य बिरला फाइनेंस के किया गया था। पढ़ाई ठीक नहीं लगने या रूचि नहीं आने पर किस्त की राशि काटकर डाउन पेमेंट की राशि लौटाने का वादा किया था।

नामांकन के बाद श्रेयशी को पढ़ाई सही नहीं लगी, तो उसने अपना रजिस्ट्रेशन रद्द कर पैसा वापस लौटाने का अनुरोध किया, लेकिन विपक्ष सिर्फ आश्वासन देता रहा और उसकी राशि को वापस नहीं लौटायी। वहीं, एक माह की ईएमआई की राशि के रूप में 7425 रुपए भी उसके खाते से निकाल लिए गए। परिवादी के निवेदन के बावजूद विपक्षियों ने उसके पैसे को नहीं लौटाया। जिससे उसका सिविल स्कोर खराब होने लगा व कुछ महीनों के बाद मानकता से नीचे गिर गया।

शाहरुख करते हैं प्रचार

अधिवक्ता डॉ. विष्णुदत्त द्विवेदी ने बताया कि मशहूर सिने स्टार शाहरुख खान बायजूस के ब्रांड एंबेसेडर हैं। वहीं, नई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार किसी उत्पाद या संस्था के विज्ञापन कताओं को भी उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत शामिल किया गया है। नए अधिनियम के अनुसार किसी उत्पाद या संस्था का विज्ञापनकर्ता के रूप में मशहूर हस्तियां उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं, इसका उपभोक्ताओं पर बड़ा प्रभाव पड़ता है क्योंकि उपभोक्ता मशहूर हस्तियों के प्रचार पर गहरा भरोसा करते हैं और

वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे उपमुख्यमंत्री, कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

राजद व कांग्रेस ने अपनी चाल, चरित्र व व्यवहार से बिहारी शब्द को बनाया गाली: विजय सिन्हा

♦ उप मुख्यमंत्री ने 1857 की क्रांति के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया

केटी न्यूज/बक्सर

कांग्रेस ने अपने चाल चरित्र व व्यवहार से बिहार तथा बिहारियों को अपमानित करने का काम किया है। बिहार शब्द को गाली बनाने व यहां के युवाओं के पलायन की जिम्मेवार कांग्रेस ही है। उक्त बातें बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मंगलवार को बक्सर में कही। वे बक्सर भाजपा द्वारा आयोजित वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि बिहारियों को बर्बाद करने में कांग्रेस की बड़ी भूमिका रही है। बिहार की जनता ने राजद व कांग्रेस को लंबे समय तक मौका दिया, लेकिन दोनों ने मिलकर पूरे देश में बिहारियों को मजाक बनाया तथा उन्हें पलायन करने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने कहा कि बिहारी शब्द को गाली बनाने और राज्य से पलायन के लिए कांग्रेस और राजद जिम्मेदार हैं। बिहार अब ऐसी मानसिकता को स्वीकार नहीं करेगा।

बिहार को विकसित बनाने का संकल्प लेने की आवश्यकता: उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि आज कुंवर सिंह जी से प्रेरणा लेते हुए बिहार को विकसित बनाने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। साथ ही उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार को नशा मुक्ति अपराध मुक्त एवं विरासत युक्त बनाने के लिए संकल्प लेने की आवश्यकता है।

इससे पूर्व नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, भाजपा प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक संजय टाइगर व दिलमणी देवी, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, संतोष रंजन राय, प्रदीप दूबे सहित उपस्थित अतिथियों ने मंच पर वीर कुंवर सिंह के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया, तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन तथा संचालन कार्यक्रम के संयोजक राजीव रंजन सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन गोविंद सिंह ने किया। मुख्य रूप से डॉ. राजेश सिंहा, गोविंद सिंह, सुनील कुमार सिंह, बिट्टू सिंह, विमल कुमार सिंह, रजनीकांत गुप्ता, पुरुषोत्तम सिंह, भोला सिंह, चंदा पाण्डेय, मीना सिंह कुशवाहा, सुधा गुप्ता, इंदु देवी, पूनम रविदास, ओम ज्योति भगत, दुर्गावती चतुर्वेदी, रानी चौबे, संध्या पांडेय, कंचन देवी, ज्वाला सैनी, पुरुषोत्तम कुमार, मनोज पांडेय, सुनील राम, पुनीत सिंह, अरविंद पासवान, विनोद शुक्ला, लक्ष्मण शर्मा, विनोद राय, अजय भट्ट, अजय वर्मा, दीपक सिंह, अमित, श्रीभगवान सिंह त्यागी, श्रीकांत पांडे, सतीश दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बाबू कुंवर सिंह ने 1857 में भारत की चेतना को किया था जागृत

वहीं, उप मुख्यमंत्री ने 1857 की क्रांति के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और कहा कि 1857 के स्वतंत्रता स्वतंत्रता संग्राम ने भारत की चेतना को जागृत कर भारतीय मानस को बदल दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की गुलामी और दमन के कारण भारत का समाज पूरी तरह से कमजोर हो चुका था, लेकिन 1857 में वीर कुंवर सिंह जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में संपूर्ण देश में स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम शुरू हुआ, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने इस दासता के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता संग्राम एक भारत के लिए समर्पित होने का संकल्प था। इस स्वतंत्रता संग्राम ने संपूर्ण देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने जिस प्रकार से 80 वर्ष की आयु में अत्याचार और अनाचार के खिलाफ संघर्ष किया यह हम सभी के लिए प्रेरणादाई है। उन्होंने अपने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन करते हुए इस क्षेत्र को अंग्रेजों से आजाद कराया और आजादी का परचम लहराया था। उन्होंने कहा की आने वाले सदियों तक वीर कुंवर सिंह का शौर्य, उनका साहस हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने अपने युद्ध कौशल के बल पर अंग्रेजों को कई बार पराजित किया।

प्रोटोकॉल तोड़कर 20 मिनट के लिए गायब हुए डिप्टी सीएम, मचा हड़कंप

♦ ज्योति चौक से काफिले अलग हुए डिप्टी सीएम, खोजता रहा प्रशासन

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार को विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए सूबे के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा बक्सर मुख्यालय पहुंचे थे। इस क्रम में लगभग 9 बजे वो बक्सर सक्रिट हाउस पहुंचे, जहां उन्हें डीएम प एसपी के नेतृत्व में बक्सर पुलिस के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।इस दौरान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद उनका काफिला डीआरसीसी भवन के लिए रवाना हुआ। इस दौरान काफिले का नेतृत्व करते हुए डीएम व एसपी के साथ-साथ सभी अधिकारियों का वाहन डीआरसीसी पहुंच गया। लेकिन, काफिले के साथ उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का वाहन नहीं पहुंचा, जिसके बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गई। उपमुख्यमंत्री के वाहन की ट्रैकिंग के लिए पूरा सिस्टम लग गया।

घटना के संबंध में सूत्रों ने बताया कि उपमुख्यमंत्री का काफिला सक्रिट हाउस से डीआरसीसी के लिए रवाना हुआ था, लेकिन ज्योति चौक पर आते ही उपमुख्यमंत्री की गाड़ी बिना किसी पूर्व सूचना के ही बाई पास की ओर मुड़ गई। यह न तो प्रशासन को पता था और न ही पुलिस को। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के द्वारा सोमवार की शाम को सोशल साइट पर तस्वीर डालकर बक्सर के दौरे के संबंध में जानकारी दी गई थी। इस क्रम में उपमुख्यमंत्री के द्वारा प्रोटोकॉल तोड़ते हुए भाजपा नेता प्रदीप राय से मिलने उनके निजी होटल पहुंचे। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, पूर्व भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह समेत अन्य बड़ी हस्तियां भी मौजूद रही। इधर प्रशासन और पुलिस लगभग 20 मिनट तक समाहरणालय व डीआरसीसी के बीच चक्कर काटते रहे। इस दौरान अधिकारियों के द्वारा नगर थाना से संपर्क किया गया, जहां उन्हें पता चला कि उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा जी वैष्णवी होटल पहुंचकर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात व जिले की राजनीतिक समिकरण पर चर्चा कर रहे हैं। इसके बाद प्रशासन और पुलिस की टीम लावलस्कर के साथ उन्हें लेने पहुंचे। हालांकि, काफिले में मौजूद कई वरीय अधिकारियों से गायब होने के संबंध में सवाल पूछते ही हंसते हुए मामले को टाल दिया गया।

डुमरांव रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या बनी गंभीर, यात्री परेशान

केटी न्यूज/डुमरांव

दानापुर-बक्सर रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या गंभीर बन गयी है। गर्मी और तपिश में पानी के लिए यात्री प्लेटफॉर्म पर भटकने को मजबूर है। आठ सौ मीटर लंबे प्लेटफॉर्म पर मात्र दो चापाकल लगाये गये है, जिसमे एक चापाकल विगत कई महीनों से पानी देना बंद कर दिया है। अब एक चापाकल के भरोसे हजारों यात्रियों को प्यास बुझाने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है।

ट्रेन के आते ही पानी को लेकर चापाकल पर अफरा-तफरी मच जाती है। यात्रियों को पानी की सुविधा देने के लिए रेलवे प्लेटफॉर्म पर नल भी लगाये गये है लेकिन इन नलों से कहीं टोटी गायब है तो कहीं पानी टपकना बंद है। ऐसे में यात्रियों को पानी खरीदकर पीने की मजबूरी बन गयी है। स्थानीय स्टेशन पर पानी की समस्या यात्रियों के साथ रेलकर्मी भी झेल रहे है। उन्हें खाना बनाने से लेकर हर काम करने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है। जानकारों की माने तो पानी की समस्या को लेकर कई संस्थाओं ने रेल विभाग को अवगत कराया लेकिन विभाग केवल आश्वासनों का घूंट पिलाता रहा।

दानापुर रेलखंड में डुमरांव रेलवे स्टेशन कमाऊ स्टेशन के रूप में जाना जाता है लेकिन यहां यात्रियों की सुविधाएं नदारद है। रेल यात्री सुरेश कुमार, दशरथ प्रसाद, छोटू, अमरेंद्र, सुनीता, आदि ने बताया कि स्टेशन पर पानी की किल्लत होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। पानी की खरीदारी कर प्यास बुझानी पड़ती है। पानी लेने अगर स्टेशन से बाहर गये तो ट्रेन छूटने का भय बना रहता है। रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने बताया कि डुमरांव रेलवे स्टेशन से हर दिन 12 से 15 हजार लोगों का आना-जाना होता है। इन यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए एक मात्र चापाकल ही सहारा बना है। पानी की समस्या को लेकर कई बार डीआरएम दानापुर सहित कई रेल अधिकारियों को लिखित दिया गया लेकिन रेल प्रशासन उदासीन बना है। स्थानीय स्टेशन प्रबंधक अविनाश चंद्रा ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर विभागीय पत्राचार किया गया है।

महिलाओं ने रखी कुटीर उद्योग शुरू कराने की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

पूजा जीविका महिला ग्राम संगठन, अरियांव द्वारा स्थानीय कन्या मध्य विद्यालय के प्रांगण में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एमओ अमित कुमार ने किया। कार्यक्रम में 306 महिलाओं ने भाग लिया और महिला सशक्तीकरण की योजनाओं की जानकारी से रुबरु हुई।

कार्यक्रम में महिलाओं ने सड़क, पेयजल, नली-गली, बेरोजगारी आदि समस्याओं का जिक्र करते हुए सरकार से समाधान की मांग की। गांव में पुस्तकालय और कंप्यूटर केंद खोलने और महिलाओं के लिए कुटीर उद्योग शुरू करवाने की मांग रखी गई। प्रोत्साहन राशि का लाभ उठा चुकी दो छात्राओं ने बताया कि इस योजना के कारण बहुत सी लड़कियों को उच्चतर शिक्षा के लिए अविभावक से प्रोत्साहन मिला है। वहीं, क्रेडिट कार्ड योजना की वजह से आगे की पढ़ाई जारी रखने में मदद मिल रही है।

मंगलवार को संध्या पाली में सोवां पंचायत के रेहियां गांव में बुद्ध जीविका महिला संगठन द्वारा भी महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन जिला परियोजना प्रबंधक चंदन कुमार ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि महिला संवाद कार्यक्रम गांव की महिलाओं के लिए सरकार से अपनी बात साझा करने का बेहतर मंच है। सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण की विभिन्न योजनाओं से आप सभी महिलाओं को रूबरू करने के लिए चलचित्र का प्रदर्शन किया जा रहा है ताकि आप देखे, जाने, समझें और भविष्य में इनका बेहतर लाभ ले सकें। कार्यक्रम के अंत में बहुत सारी महिलाओं ने सरकार द्वारा सरकार से अपनी व्यक्तिगत व सामुदायिक आकांक्षाएं एवं समस्याएं साझा की हैं और सरकार से इनकी मांगे पूरी करने की बात की गई स रेहियां के महिला संवाद में 216 महिलाएं शरीक हुईं। इस अवसर पर जीविका कार्यालय के शमीम आलम, दयानंद, मनोज एवं आर्य कुमार भी उपस्थित थे।

डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र पुराना भोजपुर के वार्ड संख्या 2 में नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देश पर आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम के तहत जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के वार्ड के नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान होल्डिंग टैक्स को लेकर उपस्थित लोगों ने आवाज उठाते हुए कहा कि हमलोग 2020 में पंचायत से शहरी क्षेत्र में जुड़े है। इसकी जानकारी हमलोगों को नहीं था। 2023 में चुनाव होने के दौरान जानकारी हुआ कि हमलोग शहरी क्षेत्र में शामिल हुए है। हमलोग 2023 से होल्डिंग टैक्स भरेंगे। इस दौरान उपस्थित अधिकारी व चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित कुमार ने कहा कि विस्तारित क्षेत्र की जनता की होल्डिंग टैक्स से सम्बंधित समस्याओं को लेकर बोर्ड के बैठक में चर्चा हुआ है। जिसे प्रोसोडिंग में दर्ज कर। उसकी एक प्रति विभाग को भेजा गया है। विभाग के द्वारा जो भी दिशा-निर्देश आएगा। उसपर मजबूती से कार्य किया जाएगा। संवाद के दौरान लोगो ने कहा कि सूरज ढलते ही गलियों में अंधेरा कायम हो जाता है। शहरी क्षेत्र में शामिल हुए पूरे साढे तीन वर्ष हो गए लेकिन अब तक गलियों में स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है, इसकी जरूरत है। वहीं उपस्थित महिलाओं ने कहा कि शहरी क्षेत्र में शामिल होने के बाद सार्वजनिक शौचालय बेहद जरूरी है।

सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने को ली गई शपथ

डुमरांव। स्थानीय प्रखंड के चिलहरी गांव निवासी स्व. रामबहादुर सिंह की तीसरी जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने इनके द्वारा किये गए कार्यों को सभी के सामने रखते हुए स्वयं भी शपथ लिया की इनके द्वारा बताए रास्ते पर चलकर जरूरतमंदों की सेवा करेंगे। मालूम हो कि स्व. रामबहादुर सिंह बिहार विधान सभा में अवर सचिव पद से अवकाश प्राप्त किया था। मुख्य अतिथि के रूप में विधान पार्षद राधाचरण साह ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि गांव में उनके नाम पर सड़क बनाया जाएगा, इसकी घोषणा होते ही लोगों ने जमकर ताली बजायी। डुमरांव जिला बनाओं संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में स्व. रामबहादुर सिंह की तीसरी पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर गरीबों के बीच अंग वस्त्र के साथ पाठ्य पुस्तक का भी वितरण किया गया। लोगों ने कहा कि स्व. सिंह एक सरकारी अधिकारी ही नहीं एक अच्छे समाजसेवी के रूप में भी जाने जाते हैं। उनका यह सदा मानना था कि शिक्षा से अच्छे संस्कार व विकास संभव है। मौके पर उनके पुत्र जदयू के वरिष्ठ नेता सह मोर्चा के संस्थापक प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा के प्रति लोगों का झुकाव के प्रति निरंतर काम करते रहेंगे और गरीबों की सेवा के साथ उन्हें अच्छे जीवन के लिये सहयोग और उत्प्रेरित करते रहेंगे। मौके पर पूर्व प्रमुख नावानगर बद्री विशाल सिंह, जदयू के प्रदेश महासचिव अभिषेक पटेल, प्रो. उदय राय, अभय शंकर पाठक, संतोश ठाकुर, विशेश्वर सिंह, पूर्व मुखिया अलबेला सिंह, हलधर राय, राजू पासवान, संतोष कुमार, मुनना राय, अभिषेक सिंह, बीस सूत्री सदस्य अजय राय सहित अन्य मौजूद थे।

पलटी ई-रिक्शा चार घायल, एक की हालत गंभीर

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के पुरैनी गांव के पास सोमवार की देर रात एक ई-रिक्शा पलटने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना में सभी घायल चौसा से एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में ई-रिक्शा असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में पुरैनी गांव निवासी जगनारायण चौबे, हरिनारायण चौबे, आशा देवी और प्रिया कुमारी घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को राजपुर सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जगनारायण चौबे की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

राज्य स्तरीय टीम के पर्यवेक्षण में खेलो इंडिया टॉर्च टूर यात्रा का किया गया स्वागत

खेलो इंडिया यूथ गेम के आयोजन होने से खेल संस्कृति को मिलेगी नई उर्जा: एडीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित कलेट्रेट परिसर में मंगलवार को राज्य स्तरीय टीम के पर्यवेक्षण में खेलो इण्डिया टॉर्च टूर यात्रा को राजस्व एडीएम कुमारी अनुपम सिंह ने जिला प्रशासन की ओर से स्वागत किया।

एडीएम ने मशाल गौरव यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाई। बताया जाता है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 चार से 15 मई तक बिहार में आयोजित किया जाएगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अन्तर्गत बिहार के पटना, गया, भागलपुर, राजगीर एवं बेगूसराय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 14 अप्रैल को टार्च टूर यात्रा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा एक अणे मार्ग, संवाद भवन, पटना से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। खेलो इण्डिया कार्यक्रम के तहत राज्य में खेल का बढ़ावा देना है। आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन-जागरण हेतु सभी जिलों में टार्च टूर (गाड़ी भ्रमण) यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

एडीएम कुमारी अनुपमा सिंह ने बताया कि यह यात्रा बिहार के सभी जिलों में 15 अप्रैल से दो मई तक निरंतर जारी रहेगी और 2 मई की शाम तक पटना लौट जाएगी। इस क्रम में जिला प्रशासन की ओर से सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य में पहली बार खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। यह अत्यंत ही गौरव की बात है। खेलो इंडिया यूथ गेम के आयोजन होने से खेल-संस्कृति को नयी उर्जा प्रदान होगी। इससे युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेलों में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। सरकार द्वारा मेडल लाओ, नौकरी पाओ सहित अन्य खेल से जुड़ी नई योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इससे सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। खेल जीवन को तनाव मुक्त बनाता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत फुटबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हॉकी, जिमनास्टीक, जूड़ो, कबड्डी, टेनिस, बॉलीबॉल, वेट लिफटिंग, स्वीमिंग आदि खेल शामिल है। इस दौरान राज्य खेल प्राधिकरण के प्रतिनिधि एवं उनकी टीम के द्वारा बस पे लगाए गए लोगो एवं खेलो इंडिया से संबंधित वीडियो दिखाया गया।

स्वर्ण व्यवसायी राजेश के अपहरण मामले में उठी सीबीआई जांच की मांग

फूटा परिजनों का आक्रोश सड़क जाम कर किया विरोध

केटी न्यूज/आरा

- उदवंतनगर के असनी के पास ज्वेलरी डिलीवरी देने जाने के दौरान से युवक लापता
- छह दिन बाद भी नहीं मिला सुराग

आरा में 17 अप्रैल से लापता युवक को ढूंढने में अब तक भोजपुर पुलिस नाकाम रही है। एसपी ने परिजनों को जल्द बरामद करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक भोजपुर पुलिस युवक को ढूंढ नहीं पाई है। जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार को धरहरा मोड़ के समीप आरा-पटना मुख्य मार्ग जाम कर दिया है। इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों ने हाथ में लापता युवक की फोटो वाली तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। साथ ही सड़क पर आगजनी कर मुख्य मार्ग को बंद कर दिया। परिजन युवक की अपहरण की आशंका जता रहे है। वहीं, परिजन युवक की तलाश के लिए अब सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

17 अप्रैल से लापता है राजेश सोनी : मामला भोजपुर जिले के उदवंतनगर का है। जहां गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव के निवासी शंकर प्रसाद के 25 वर्षीय बेटा राजेश सोनी 17 अप्रैल को लापता हो गया। इसके बाद से राजेश की तलाश परिजनों द्वारा लगातार किया जा रही है, लेकिन अब तक राजेश सोनी का कोई पता नहीं चल पाया है। पांच दिन बीत जाने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा और लोगों ने सड़क जाम कर जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही सीबीआई जांच की मांग की है। जाम के दौरान धरहरा मोड़ से दोनों छोर पर एक से डेढ़ किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस भीषण गर्मी में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा ।

ज्वेलरी डिलीवरी करने जाते समय अचानक हुआ लापता : राजेश सोनी के भाई रंजीत सोनी ने बताया कि दो महीने पहले ही राजेश ने उदवंतनगर बाजार पर मां वैष्णव ज्वेलरी की दुकान खोली थी। घटना के दिन वो ज्वेलरी की डिलीवरी को लेकर दुकान से उदवंतनगर से जगदीशपुर थाना क्षेत्र ईसाढ़ी जा रहा था, लेकिन असनी के पास से ही वो लापता हो गया। असनी के पास राजेश एक दोस्त के दुकान पर रुका था, उसके बाद वहां से निकलने के बाद लापता हो गया। राजेश के भाई रंजीत ने बताया कि कई देर के बाद जब हम लोग ढूंढने लगे तो राजेश की गाड़ी उदवंतनगर रेलवे ट्रैक के पास और उसके मोबाइल का कवर उदवंतनगर स्टेशन के ट्रैक के पास मिला है।

घटना के 6 दिन बाद भी पुलिस नाकाम : रंजीत के बताया कि जब कई जगह ढूंढने के बाद राजेश नहीं मिला तो हम सभी ने 17 अप्रैल को ही उदवंतनगर थाना में राजेश सोनी के लापता होने का मामला दर्ज कराया गया, लेकिन अभी तक कुछ भी पता नहीं चला है। परिजनों ने बताया कि भोजपुर एसपी मिस्टर राज ने आश्वासन दिया था कि 24 घंटे में पता लगा लेंगे। लेकिन पांच से छह दिन हो गया है, अब तक पुलिस नाकाम ही है। छह दिन बीत जाने के बाद असफल होती भोजपुर पुलिस के बाद अब परिजन सीबीआई जांच की मांग कर रहे है।

नहीं मिला राजेश तो और भी उग्र होगा आंदोलन

स्वर्ण व्यवसाय संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रभानु गुप्ता ने बताया कि 17 अप्रैल से राजेश लापता है। आशंका है कि उसका अपहरण हो गया है। लाखों रुपए के जेवरात लेकर वह अपने दुकान से ईसाढ़ी बाजार जा रहे थे। इसी दौरान उनका अपहरण हो गया है। पुलिस के रवैया के कारण आज हमलोग सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जब परिवार वाले थाने पर गए तो वहां के पुलिस पदाधिकारी आईपीएल मैच देख रहे थे और उनका कहना था कि वह किसी लड़की के साथ भागा होगा। परिजनों के प्रयास से ही मोटरसाइकिल और मोबाइल कवर बरामद हुआ है। एसपी ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही राजेश की बरामद की कर ली जाएगी। गीधा थाना से आई एक महिला अफसर ने कहा कि आखिर उदवंतनगर बाजार पर दुकान क्यों खोला है। हम लोग व्यवसाय हैं कहीं भी दुकान खोल सकते हैं। अगर जल्द राजेश की बरामद की नहीं होती है तो हमारा आंदोलन आगे भी और उग्र होगा।

राजेश की तलाश में जुटी है भोजपुर पुलिस

इस मामले में सदर डीएसपी अबू सैफी मुर्तजा ने राजेश नामक एक युवा के पिछले 5 दिनों से लापता है प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है। इसके बाद तलाश करने के लिए जो भी तकनीकी साक्ष्य, डॉग स्क्वाड की मदद ली जा रही है। बहुत जल्दी लापता युवक की तलाश कर ली जाएगी। आक्रोशित परिजनों के द्वारा सड़क जाम किया गया है लेकिन पुलिस मौके पर पहुंचकर समझा बुझाकर जाम को हटवा दिया है।

स्नातक सेम-4 की परीक्षा फॉर्म के लिए आज से भरे जायेंगे ऑनलाइन

आरा। वीकेएसयू के परीक्षा विभाग ने सत्र को नियमित रखने के लिए स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम के सेमेस्टर टू और सेमेस्टर चार की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। स्नातक सेमेस्टर चार सत्र 2023-27 की परीक्षा को लेकर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी कर दी गई है। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है। स्नातक सत्र 2023-27 के सेमेस्टर चार का परीक्षा फॉर्म बुधवार से ऑनलाइन भराया जाएगा।

बिना विलंब शुल्क के साथ विद्यार्थी 30 अप्रैल तक फॉर्म भरेंगे। वहीं स्नातक सेमेस्टर टू सत्र 2024-28 की परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित विद्यार्थी आज बुधवार तक 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरेंगे। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि सेमेस्टर टू के विद्यार्थी विषय चयन और परिवर्तन एडमिट कार्ड जारी होने से पहले हर हाल में करा ले, क्योंकि एडमिट कार्ड जारी होने पर कोई परिवर्तन नहीं होगा।

लहरपा हत्या कांड मामले में जल्द हो दोषियों की गिरफ्तारी एवं पीड़ितों को मिले मुआवजा: राजद

केटी न्यूज/आरा

जिले के अगिआंव प्रखंड अंतर्गत लहरपा गांव में बीते रविवार को सत्ता संरक्षित सामंती गुंडों द्वारा की गई नरसंहार की घटना को लेकर आज मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव एवं राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के निदेर्शानुसार भोजपुर पहुंचा। जिलाध्यक्ष वीरबल यादव के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली।

प्रतिनिधिमंडल ने नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। राजद नेताओं ने कहा कि लहरपा की इस घटना ने बिहार सरकार की पोल खोल दी है। प्रतिनिधिमंडल के संयोजक एवं पूर्व मंत्री सह विधायक आलोक कुमार मेहता ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने सामंती गुंडों को खुली छूट दे दी है।

प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया ज्ञापन: घटनास्थल का दौरा करने के बाद राजद प्रतिनिधिमंडल ने भोजपुर के जिलाधिकारी और आरक्षी अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में घटना की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी, स्पीडी ट्रायल चलाकर सख्त कार्रवाई और मृतकों के परिजनों को 20 लाख एवं घायलों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की गई। साथ ही पीड़ित परिवारों को समुचित सुरक्षा मुहैया कराने की अपील भी की गई।

गोली बारी में कार्रवाई को ले दिया आवेदन

गड़हनी। स्थानीय थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में सोमवार की रात ज्ञासुद्दीन के 19 वर्षीय पुत्र मिनहाज आलम की जान लेने के नियत उस पर फायरिंग की गई थी। हालांकि अपराधी की फायरिंग से पहले वो भागने में सफल रहा, लेकिन एक गोली उसके पीठ से छू कर निकल गई। मौके पर 112 की टीम पहुंच अगिआंव सीएचसी ले जाकर प्राथमिक उपचार के बाद घर छोड़ दिया।वही मंगलवार को गड़हनी पुलिस शिवपुर गांव पहुंच घटना की जानकारी जुटाई।

वहीं, घटना के बाद घायल युवक की मां सलमा खातून ने गड़हनी थाना पहुंच आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाई हैं। बता दे कि गड़हनी थाना क्षेत्र में रविवार की रात्रि में लाहरपा में हुई गोली बारी में हुई मौत की चीत्कार अभी थमी भी नहीं थी कि चौबीस घंटे के अंदर ही थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में सोमवार की रात्रि करीब दस बजे फिर से एक बार गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी।

पहले चरण में 9 से 14 वर्ष की 420 बालिकाओं को दिया गया था एचपीवी का टीका

एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर के मामलों में 90 प्रतिशत तक करेगा बचाव: प्रभारी सीएस

केटी न्यूज/आरा

- दूसरे चरण में जिले की 3850 बच्चियों को किया जाएगा टीकाकृत

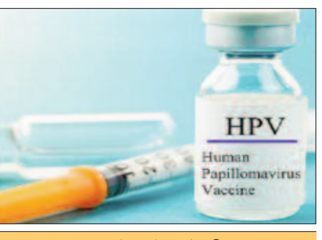

जिले की युवतियों व महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए राज्य सरकार व स्वास्थ्य समिति ने ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शुरू किया है। इसके तहत जिले की 9 से लेकर 14 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है। इस क्रम में दूसरे चरण में 3850 बच्चियों को एचपीवी का टीका लगाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने 3850 टीका भोजपुर जिले के लिए भेजा है। वहीं, आगामी दिनों में जिले को एचपीवी टीका पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि, आज की किशोरियों को भविष्य में सर्वाइकल कैंसर का सामना न करना पड़े।

इस संबंध में प्रभारी सिविल सर्जन सह जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि हाल के दिनों में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस के मामले तेजी से बढ़े है। एक रिपोर्ट के अनुसार 70 फीसदी ओरल कैंसर के मामले सिर्फ एचपीवी के कारण हो रहे हैं। वहीं, यौन संपर्क से फैलने वाले इस संक्रमण से पेनाइल कैंसर व गुदा कैंसर के साथ साथ सर्वाइकल कैंसर होने का भी खतरा सबसे अधिक रहता है। इस गंभीरता को देखते हुए बालिकाओं को इन बीमारियों से बचाने के लिए सरकार ने एचपीवी टीका लगाने का निर्णय लिया है। जल्द ही 3850 बालिकाओं को टीकाकृत किया जाएगा।

एचपीवी के साथ संबंधित समस्याओं से होगी सुरक्षा

डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण से लगभग 90 प्रतिशत तक सर्वाइकल कैंसर के मामलों से बचाव संभव है, साथ ही यह एचपीवी संक्रमण से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी सुरक्षित रखने में सहायक होता है। इसलिए अभियान में बालिकाओं को टीकाकृत किया जाएगा। इन सब में यह बात ध्यान रखना है कि जो बच्चियां 14 साल की उम्र की दहलीज पर हैं उनका काउंसलिंग बेहद जरूरी है। क्योंकि 15 साल की उम्र के बाद बच्चियों को इस एचपीवी का टीका लगाना व्यर्थ है। उन्होंने बताया कि यह टीका गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से बचाव को कम करने में बेहद प्रभावी है।

मानसिक क्षति के साथ आर्थिक तंगी भी झेलनी पड़ जाती है : यूनिसेफ के एसएमसी जीपी संजय ने बताया कि आज के समय में कैंसर एक सामान्य परिवार के लिए अभिशाप से कम नहीं हैं। मध्यम परिवार के किसी एक सदस्य को यदि एक बार यह बीमारी हो जाए, तो मरीज के साथ पूरा परिवार परेशान होता है। इससे पीड़ित मरीज व उनके परिजनों को मानसिक क्षति के साथ आर्थिक तंगी भी झेलनी पड़ जाती है। ऐसे में बच्चियों को एचपीवी का टीका लगाना बेहतर विकल्प है।

बिहार-झारखंड के 15 ठिकानों पर ईडी की ताबड़तोड़ छापामारी,

कई कंस्ट्रक्शन कंपनियों पर शिकंजा

रांची, एजेंसी। बोकारो के बहुचर्चित वन भूमि घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी ने मंगलवार की सुबह से ही बिहार-झारखंड के 15 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। सर्वाधिक ठिकाने कंस्ट्रक्शन कंपनियों के दफ्तर व संचालकों से जुड़े हैं। इनमें झारखंड के कारोबारी विमल अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल की कंपनी राजवीर कंस्ट्रक्शन भी शामिल है। रांची के लालपुर, बरियातू, हटिया आदि इलाकों में इससे जुड़े ठिकाने हैं, जहां ईडी की तलाशी चल रही है। इसके अलावा बोकारो के जिला वन पदाधिकारी के कार्यालय में भी ईडी की छापामारी चल रही है। वहीं, बोकारो में सीओ व डीसी के कार्यालय में भी ईडी की टीम पहुंची है।

वन भूमि घोटाले के मामले में झारखंड पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) भी जांच कर रही है। वन भूमि घोटाले का मामला वर्ष 2022 का है। बोकारो में प्रशासनिक अधिकारियों ने एक कंपनी को वन विभाग की 74.38 एकड़ जमीन आवंटित कर दी थी।

जनवरी 2025 में बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार ने उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त से इसकी शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि बोकारो के कुछ प्रशासनिक अधिकारियों ने वर्ष 2022 में एक महेंद्र मिश्रा की 10 डिसमिल जमीन के नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर शुद्धि पत्र संबंधित आवेदन में हेराफेरी कर उसे 74.38 एकड़ कर दिया था। इसकी जानकारी महेंद्र मिश्रा को हुई तो उन्होंने इजहार हुसैन, अख्तर हुसैन, रहमत हुसैन, ललन सिंह व शैलेश सिंह के विरुद्ध न्यायालय में वर्ष 2024 में आपराधिक मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी ने भी

सेक्टर12 में उसी वर्ष प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

इसी केस की सीआइडी जांच कर रही है। इसी केस के आधार पर ही ईडी ने भी ईसीआइआर दर्ज किया है, जिसके मामले में मंगलवार की सुबह छापामारी शुरू हुई है।

बांका के बौंसी के डैम रोड में श्रीराम कंस्ट्रक्शन के आवास पर मंगलवार सुबह ईडी की टीम द्वारा छापेमारी की जा रही है। दो वाहनों से आई ईडी टीम ने व्यवसायी के मेडिकल दुकान से लेकर पूरा आवास की सघन छापामारी कर रही है। विभिन्न कागजातों की जांच पड़ताल जारी है। कंपनी के मालिक वीर अग्रवाल एवं मेडिकल संचालक राम अग्रवाल से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार

श्रीराम कंस्ट्रक्शन का झारखंड में कंस्ट्रक्शन का बड़ा कारोबार है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काफी करीबी माने जाते हैं। मालिक वीर अग्रवाल एवं उनके दो पुत्र बबलू अग्रवाल व श्याम अग्रवाल झारखंड सहित अन्य राज्यों में कारोबार को संभालते हैं।

रांची में होडिंग टैक्स जमा करने पर भारी छूट

रांची, एजेंसी। रांची नगर निगम ने शहर के लोगों से अपील की है कि वे 30 जून तक अपना होल्डिंग टैक्स एक साथ जमा करें। ऐसा करने पर उन्हें टैक्स की कुल रकम पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। टैक्स लोग सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक नगर निगम कार्यालय या जन सुविधा केंद्रों में जाकर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा आनलाइन जाकर भी टैक्स का भुगतान कर सकते है।इसके लिए नगर निगम के आफिशियल वेबसाइट पर जाकर टैक्स का भुगतान कर सकते है। वहीं अगर आप वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर, सेना के जवान या शहीद के परिवार से हैं, तो आपको 10 प्रतिशत के अलावा 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी।बता दें कि होल्डिंग टैक्स एक तरह का प्रॉपर्टी टैक्स है जो नगर निगम या स्थानीय प्रशासन द्वारा घर मालिकों या संपत्ति धारकों से लिया जाता है। यह टैक्स संपत्ति के मूल्य या क्षेत्रफल के आधार पर कैलकुलेट किया जाता है और इसका उपयोग शहर के विकास और रखरखाव के लिए किया जाता है, जैसे कि सड़कों की मरम्मत, कूड़ा उठाव, और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए।

जमशेदपुर में स्कूल की आम सभा में हाथापाई:एडीएल सनशाइन स्कूल में विरोधी गुट ने लगाया ताला

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के एडीएल सनशाइन स्कूल में रविवार को वार्षिक आम सभा का आयोजन विवादों में बदल गया। विपक्षी सदस्यों ने स्कूल के गेट पर ताला लगाकर किसी को अंदर जाने से रोक दिया। स्कूल में वर्तमान प्रबंधन समिति और विरोधी पक्ष के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस हाथापाई में बदल गई। स्कूल परिसर में अफरातफरी मच गई। पुलिस को बुलाना पड़ा।

विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन में कई वर्षों से गड़बड़ियां हो रही हैं। उनका कहना है कि एजीएम में एकतरफा फैसले लिए जाते हैं। वित्तीय पारदर्शिता नहीं है। कई सदस्यों को जानकर एजीएम की सूचना नहीं दी जाती। वर्तमान प्रबंधन समिति ने सभी आरोपों को गलत बताया। उनका कहना है कि एजीएम की सूचना सभी सदस्यों को समय पर दी गई थी। प्रबंधन का आरोप है कि विपक्ष जानबूझकर माहौल खराब कर रहा है। स्कूल में प्रबंधन समिति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह मामला कई बार अदालत तक पहुंच चुका है।

महिलाओं में मोटापे को लेकर बढ़ रहा तनाव, सामने आई चौंकाने वाली रिपोट, खानपान को लेकर ये है डॉक्टर की सलाह

रांची, एजेंसी। महिलाओं में अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। बदलते लाइफस्टाइल में जिस तरह से महिलाओं में मोटापे की शिकायत आ रही है। उसके बाद व्यायाम और बेहतर खानपान ही विकल्प बना है। मोटापे को कम करने को लेकर लगातार अस्पतालों में महिलाएं डाक्टरी परामर्श ले रही हैं। जिसमें उन्हें अधिक शारीरिक परिश्रम करने और खानपान में बदलाव लाने की सलाह दी जा रही है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना बताती हैं कि अत्यधिक वसायुक्त भोजन और कम शारीरिक मेहनत की वजह से महिलाओं का वजन बढ़ रहा है।महिलाओं को अपनी डाइट में अधिक फल, सब्जियां, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स शामिल करने चाहिए। मीठी चीजें और अधिक कैलोरी वाले भोजन से परहेज करना जरूरी है।

साथ ही साबुत अनाज, दही, हरी पत्तेदार सब्जियां, और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाएं। प्रोटीन से भरपूर भोजन मसल्स को बनाए रखने में मदद करता है, जो वजन घटाने में सहायक होता है।विशेषज्ञ बताते हैं कि वजन कम तब भी होता है जब स्वस्थ भोजन खाने पर ध्यान केंद्रित हो। ज्यादातर कैलोरी लीन प्रोटीन, साबुत अनाज और फलों और सब्जियों से मिलती है जो वजन कम करने में मददगार साबित होता है।एक वयस्क महिला के लिए कोई भी आहार प्रतिदिन 800 कैलोरी से कम नहीं होना चाहिए। महिलाओं में मोटापे को कम करने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, और तनाव प्रबंधन की आवश्यकता होती है।इसके अलावा पानी का सेवन बढ़ाना, चीनी का सेवन कम करना और प्रोटीन युक्त भोजन को अपने डायट में शामिल करना चाहिए।

झारखंड की नींव खोद रहे बालू माफिया, सरकार की चुप्पी लूट की भागीदारी जैसा : बाबूलाल

रांची, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में अवैध बालू खनन और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर एक बार फिर जेएमएम और सीएम हेमंत सोरेन पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिल्ली के राढु नदी पर बने एक पुल का हवाला देते हुए कहा कि यह पुल अब कभी भी गिर सकता है, , क्योंकि वह बालू माफियाओं के निशाने पर है.

बाबूलाल ने लिखा कि हेमंत सोरेन के पोषित बालू तस्कर सिर्फ पुल की बुनियाद नहीं खोद रहे, बल्कि विकास की संभावनाएं, युवाओं का भविष्य और सरकार की नींव खोद रहे हैं. भ्रष्टाचार और अवैध खनन की भेंट चढ़ चुका सिल्ली में राढु नदी पर बना पुल कभी भी भरभरा कर ध्वस्त हो सकता है. जर्जर पुल झारखंड की अंदर से कमजोर होती व्यवस्था का प्रतीक है. मरांडी ने लिखा कि मैंने पूर्व में भी सिल्ली में धड़ल्ले से चल रहे अवैध बालू कारोबार को सरकार के संज्ञान में लाया था. लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि इनका एकमात्र लक्ष्य झारखंड के नदियों, पहाड़ों को चीरकर अपनी तिजोरी भरना ही है.

बाबूलाल ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि खनन विभाग सिर्फ कागजों पर टास्क फोर्स बनाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है. जबकि जमीनी स्तर पर सिल्ली से रांची के बीच पड़ने वाले सभी थानों की पुलिस पूरी ईमानदारी से बालू ढोने वाले वाहनों से वसूली कर राशि सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा रही है. नेता प्रतिपक्ष ने प्रशासन को चेताते हुए कहा कि यदि अब भी चुप्पी साधी गयी, तो यह इस लूट में भागीदार बनने जैसा होगा. उन्होंने कहा कि झामुमो-कांग्रेस के सामने नतमस्तक होने से बेहतर है कि अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और झारखंड को लूटने से बचाएं.

झारखंड के आईएएस अफसरों के पास कितनी संपत्ति

छवि रंजन और रीना हांसदा ने नहीं दिया ब्यौरा

रांची, एजेंसी। झारखंड कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारियों की अचल संपत्ति में वृद्धि नहीं हो रही है।पिछले कई वर्षों से जिनके पास जितनी अचल संपत्ति थी, लगभग उतना ही ब्यौरा इस वर्ष भी अधिकारियों द्वारा केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय (डीओपीटी) को सौंपे गए शपथपत्र में दिया गया है।

इसमें बढ़ोतरी का ट्रेंड देखने को नहीं मिल रहा है। कई अधिकारियों के पास संयुक्त पारिवारिक जमीन भी है। सीमित मात्रा में इन अधिकारियों के पास जमीन है, जिसका वर्तमान मूल्य और बाजार मूल्य भी अधिकारियों ने प्रदान किया है।गिनती के अधिकारी ही ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति का ब्यौरा एक पन्ने से ज्यादा है। ऐसे अधिकारियों ने उत्तराधिकार के तहत मिली पैतृक संपत्ति का भी खाका दिया है।राज्य में तैनात अधिकारियों में ज्यादातर के पास सुकरहुट्टू, कांके स्थित को-आपरेटिव सोसाइटी में जमीन है। इसके अलावा अन्य रिहायशी कालोनियों में भी भूखंड और आवास हैं।यह भी रोचक है कि जमीन आवंटन संबंधी मामलों में अनियमितता के आरोपों में घिरे आइएएस अधिकारी छवि रंजन ने अपनी अचल संपत्ति का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। छवि रंजन 2011 बैच के आइएएस अधिकारी हैं।

रांची में उपायुक्त के पद पर तैनाती के दौरान इनपर अनियमितता के संगीन हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक वर्ष 2024 में भी इन्हें सपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया था। वे अभी जेल में बंद हैं।इसके अलावा 2020 बैच की रीना हांसदा के संपत्ति का ब्यौरा भी उपलब्ध नहीं है। अनियमितता के

आरोपों का सामना कर रहीं वर्ष 2000 बैच की अधिकारी पूजा सिंघल की प्रापर्टी में भी कोई इजाफा घोषित नहीं किया गया है।रांची के विभिन्न स्थानों के अलावा कोलकाता में इनके पास अचल संपत्ति है। राज्य सरकार ने न्यायालय से जमानत प्रदान किए जाने के बाद इन्हें निलंबन से मुक्त किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रति वर्ष संपत्ति का ब्यौरा देने के मामले में झारखंड के अधिकारियों का रिकार्ड सुधर रहा है। पूर्व में इसके लिए बार-बार केंद्र से रिमाइंडर आता था।अब ऐसी शिकायत नहीं के बराबर है। राज्य में में तैनात 145 अधिकारी अचल संपत्ति का ब्यौरा दे चुके हैं। ज्यादातर ने जनवरी माह के अंत तक तय डेडलाइन के भीतर केंद्र सरकार को ब्यौरा उपलब्ध कराया है।वरिष्ठता क्रम में प्रमुख अधिकारियों में शामिल राज्य सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी के पास उत्तर प्रदेश के महोबा, ग्रेटर नोएडा, रांची और देहरादून, शैलेश कुमार सिंह के पास देवघर और रांची, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात निधि खरे के पास रांची में, अविनाश कुमार के पास बिहार और रांची में, अजय कुमार सिंह और नितिन मदन कुलकर्णी के पास रांची में आवासीय भूखंड है।भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना आवश्यक है, क्योंकि इससे भ्रष्टाचार की रोकथाम होती है। इससे सरकार को पता चलता है किस अधिकारी के पास कितनी संपत्ति है।संसद की स्थायी समिति ने पाया है कि कई आइएएस अधिकारी समय पर अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं देते है। समिति ने इन अधिकारियों के खिलाफ़ कार्रवाई की अनुशंसा पूर्व में की है।

निर्धारित समय सीमा में ब्यौरा नहीं देने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

कोडरमा में छात्रा ने की खुदकुशी

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गांधी स्कूल रोड के वार्ड नंबर 24 स्थित मास्टर मोहल्ले में रविवार को एक 14 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान खुशी कुमारी के रूप में हुई है। वह औरंगाबाद, बिहार निवासी संतोष पांडेय की पुत्री थी। खुशी ने घर के शौचालय की छत में लगे लोहे के हुक में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी।

मृतका की मामी सिम्मी मिश्रा ने बताया कि जब खुशी शौचालय से बाहर नहीं आई, तो उन्हें चिंता हुई। उन्होंने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वेंटिलेटर से देखने पर खुशी फंदे से लटकी मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। मृतका के मामा मंजीत मिश्रा के अनुसार, खुशी का किसी से कोई विवाद नहीं था। वह हंसमुख स्वभाव की थी। घटना के दिन सुबह भी उसने सामान्य रूप से बातचीत की थी। मंजीत जब काम पर थे, तभी उन्हें खुशी की मौत की खबर मिली। घर पहुंचने तक खुशी की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

सिंदरी से लापता चार नाबालिग किशोरियां बरामद

धनबाद, एजेंसी। बलियापुर थाना क्षेत्र से चार नाबालिग किशोरियों के अचानक लापता होने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ता सक्रिय हो गए और अपनी स्तर से खोजबीन शुरू की।

पुलिस ने भी तत्परता दिखाते हुए मोबाइल सर्विलांस की मदद से एक किशोरी की लोकेशन ट्रैक की और सिंदरी थाना क्षेत्र से चारों किशोरियों को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में चार युवकों को भी हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि इन युवकों ने किशोरियों को बहला-फुसलाकर ले जाने और कथित रूप से तस्करी की योजना बनाई थी।

इस घटना के विरोध में बलियापुर थाना परिसर में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और आरोपियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।बजरंग दल कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी जिसमें कथित तौर पर हिंदू किशोरियों को निशाना बनाया गया।

उन्होंने दावा किया कि किशोरियों को पटना के रास्ते गुजरात ले जाने की योजना थी। जिसे समय रहते पुलिस और सामाजिक संगठनों की सतर्कता से विफल कर दिया गया। विहिप नेता सोनू गिरी ने इस घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि गठबंधन सरकार बनने के बाद एक विशेष समुदाय को बढ़ावा मिल रहा है और हिंदू धार्मिक गतिविधियों पर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अंकुश लगाया जा रहा है।

उन्होंने कहा हम सिंदरी को 'केरल' नहीं बनने देंगे। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ जारी है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ी घटना टल गई।

सिविल जज नियुक्ति मुख्य परीक्षा को लेकर आ गया नया अपडेट

रांची, एजेंसी। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मुख्य परीक्षा के आयोजन का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा अगले माह में आयोजित की जा सकती है।

फिलहाल आयोग ने इसकी प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों से पूर्व में किए गए आवेदन तथा प्रमाणपत्रों की प्रतियां मांगी है। इसके लिए 13 मई तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

आयोग के परीक्षा नियंत्रक के अनुसार, इस नियुक्ति परीक्षा के लिए ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन करने वाले तथा 10 मार्च 2024 को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों को पूर्व में समर्पित ऑफलाइन आवेदन एवं आवश्यक प्रमाणपत्रों की छायाप्रति अथवा ऑनलाइन आवेदन की प्रति डाउनलोड कर प्रिंटेड स्वहस्ताक्षरित प्रति के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

साथ ही ऑनलाइन आवेदन 22 अप्रैल से 13 मई तक शाम पांच बजे तक निबंधित डाक, स्पीड पोस्ट, हाथों-हाथ के माध्यम से आयोग को भेजना होगा। वैसे अभ्यर्थी जो प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित हुए हैं, वे अपना रजिस्ट्रेशन नंबर एवं जन्म तिथि डालकर ऑनलाइन आवेदन आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे।

जिन सफल अभ्यर्थियों के पास रजिस्ट्रेशन नबंर नहीं है या भूल गए हैं, वे अपना ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर तथा जन्म तिथि डालकर अपना रजिस्ट्रेशन नंबर प्राप्त कर सकते हैं।

बताते चलें कि आयोग ने प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम पिछले वर्ष 22 जुलाई को ही जारी किया था, लेकिन अभी तक मुख्य परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकी है।

अब आयोग ने शीघ्र ही मुख्य परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से झारखंड न्यायिक सेवा के तहत सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के कुल 138 पदों के विरुद्ध नियुक्ति होनी है।

प्रदेश में अब बढ़ेगी तेज गर्मी, कई जिले में बनेगी हीट वेब की स्थिति

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब तेज गर्मी बढ़ने के आसार व्यक्त किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने 25 अप्रैल तक आसमान मुख्यत साफ रहने और मौसम शुष्क बने रहने की संभावना व्यक्त की है। वहीं, सोमवार को सुबह से ही लोगों ने अच्छी-खासी गर्मी महसूस की। तेज तपिश भरी धूप ने लोगों को परेशान कर दिया। घर से बाहर निकले लोग छाता और चेहरे को कपड़े से ढंक कर सड़क पर चलते नजर आए।

2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है : मौसम विभाग के अनुसार,सोमवार को राज्य के हर हिस्से में मौसम साफ और शुष्क बना रहा। मंगलवार को भी मौसम का हाल ऐसा ही रहेगा। राज्य में अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिन इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

देवघर, दुमका समेत कई जिलों में हीट वेब की आंशका : 23-24 अप्रैल को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में कहीं-कहीं पर गर्म और उमस भरा दिन रह सकता है। वहीं, 25-26 अप्रैल को इन जिलों में हीट वेब की स्थिति बन सकती है।

दोपहर में घर से बाहर निकलना मुश्किल : इधर, मौसम परिवर्तन और अचानक बढ़ी गर्मी और चिलचिलाती धूप से राज्य के तकरीबन हर हिस्से में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सड़क किनारे ठेला, खोमचा लगाने वालों से लेकर सब्जी, फल बेचने वाले व दिहाड़ी मजदूर काफी परेशान हो गए हैं। आलम यह है कि दोपहर में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। दोपहर में बाजारों में सन्नाटा पसर जा रहा है।

जो लोग सड़क पर नजर आ भी रहे हैं तो वह अपने सिर व चेहरे को गमछा आदि से ढके रहते हैं। वहीं, चिलचिलाती धूप के कारण दोपहिया वाहन चलाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर, गर्मी बढ़ने से सत्तू और बेल की शरबत, लस्सी, गन्ना रस, फ्रूट जूस, नारियल पानी और आइसक्रीम की बिक्री बढ़ गई है।

कैसा रहा पिछले 24 घंटे में मौसम : पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 9.2 एमएम गुराबंधा (पूर्वी सिंहभूम) में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

सुभाषितम्

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है। - अज्ञात

मनुष्य जन्म जीवन जीने के लिए मृत्यु के लिए नहीं : पोप

कैथोलिक ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की उम्र में सोमवार को निधन हो गया है। पोप फ्रांसिस ने एक धर्म गुरु के रूप में सारी दुनिया को मानव जाति के लिए, बिना किसी भेदभाव के जीवन का उद्देश्य और जीवन जीने का तरीका बताया है। वह वर्तमान समय में सभी के लिए प्रेरणादायक है। फ्रांसिस पोप का कहना था मनुष्य जन्म, जीवन जीने के लिए होता है। जन्म और मृत्यु सत्य है। जीवन जीने के लिए मिलता है। इसका उपयोग सभी को करना चाहिए। 1300 वर्षों के इतिहास में वह पहले गैर यूरोपीय पोप बने। अर्जेंटीना में उनका जन्म हुआ था, मां-बाप अप्रवासी के रूप में इटली लेकर आए थे। पादरी बनने के पहले वह एक क्लब में बाउंसर के रूप में काम करते थे। उन्होंने अपने जीवन काल में एक केमिकल लेब में भी काम किया। अर्जेंटीना के एक कॉलेज में साहित्य और मनोविज्ञान के शिक्षक के रूप में भी काम किया। 21 साल की उम्र में वह जेसुइट समुदाय में शामिल हुए, बाद में उन्हें ब्यून आर्यस मे पादरी बनाया गया। 2001 में उन्हें पोप जान पॉल द्वितीय के रूप में कार्डिनल पद की जिम्मेदारी दी गई। 2013 में वह 266 वें पोप के रूप में नियुक्त हुए। पोप के पद में निर्वाचित होने के बाद उन्होंने पोप के लिए बने भव्य पैलेस में रहना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने एक साधारण गेस्ट हाउस को अपना निवास स्थल बनाया। शक्ति की प्रतीक सोने की अंगूठी के स्थान पर उन्होंने चांदी की अंगूठी पहनी। आर्क बिशप के पद पर होने के बाद भी उन्होंने कभी भी महंगी कारों में बैठना स्वीकार नहीं किया। वह पब्लिक बस और मेट्रो में सफर करना पसंद करते थे। आम जनता और गरीबों से जुड़े रहकर, उन्होंने सम्पूर्ण मानव जाति को बेहतर संदेश देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। परंपरा के अनुसार ईस्टर के पहले पोप गरीबों के पैर धोते हैं। 2024 में पोप ने रोम की जेल में सजायाप्ता महिलाओं के पैर धोकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। पोप गरीबों के बीच सहज व्यवहार और दरियादिली के कारण भगवान के रूप में पूजे जाते थे। गरीबों के मन में उनके प्रति अगाध श्रद्धा थी। पोप रात में सड़कों पर निकालकर गरीबों को दान देते थे, उनकी हर संभव मदद करते थे। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विचारों से पोप फ्रांसिस कभी सहमत नहीं रहे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दीवार बनाने की योजना को पोप ने नकार दिया था। पोप ने ट्रंप को समझाया था, दीवारें बनाने वाले खुद दीवार के अंदर कैदी बन जाते हैं। इसका मतलब आसानी से समझा जा सकता है। मानव जाति के बीच में दीवार खड़ा करना प्रकृति के विपरीत है। उन्होंने मानव जाति को एक दूसरे से अलग रखने को प्रकृति एवं धर्म के विपरीत बताया था। मनुष्य को किसी सीमा में बांधने को वह धर्म के विपरीत मानते थे। इससे समझा जा सकता है, पोप फ्रांसिस का सारी दुनिया के लिए क्या महत्व था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के लड़के का 2015 में निधन हो गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो वाईडेन पोप का बहुत सम्मान करते थे। दोनों के बीच 90 मिनट तक बातचीत हुई, जो अभी तक पोप के साथ लंबी बातचीत के रूप में जानी जाती हैं। एक धर्म गुरु के रूप में उन्होंने मनुष्य जीवन के यथार्थ को समझाते हुए कहा था, मानव जन्म स्वयं और दूसरों के जीवन के लिए है। मृत्यु एक यथार्थ सत्य है। मनुष्य के रूप में हमें जीवन जीने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने ईसाई धर्म को किसी सीमा में बांधने का प्रयास नहीं किया। मानव जीवन का सही उद्देश्य समझाने में उन्होंने पोप के रूप में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने संपूर्ण मानव जाति एवं जीव कल्याण की दशा में अपना जीवन समर्पित किया है। ऐसे बिरले पुरुषों का जन्म एक बड़े उद्देश्य के लिए होता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के उत्थान के समर्पित किया है। इसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका चर्च में पोप का शव रखा है। वहां 9 दिन का शोक घोषित किया गया है। रोजाना हजारों लोग वहां पहुंचकर अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुछ दिनों पहले पोप से मुलाकात हुई थी। भारत ने भी 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। पोप के रूप में फ्रांसिस मानव कल्याण के रूप में जो काम किया है। वह असाधारण है। उन्होंने परंपराओं को तोड़ते हुए मानव जीवन के लिए सार्थक संदेश दुनिया को देने का काम किया है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके।

पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है

- ललित गर्ग

विश्व पुस्तक दिवस जिसे विश्व पुस्तक कॉपीराइट दिवस भी कहा जाता है, पुस्तक-संस्कृति को बल देने और पढ़ने की प्रवृत्ति के आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाने वाला एक विश्व उत्सव है। हर साल 23 अप्रैल को दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उसे प्रोत्साहन देने एवं दुनिया को जोड़ने के लिए पुस्तक उत्सव अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। इस अवसर पर, यूनेस्को और पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों - प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से, दिवस के उत्सवों की प्रेरणा को बनाए रखने के लिए एक वर्ष के लिए विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। किताबें, अपने सभी रूपों में, हमें सीखने और खुद को सशक्त रखने का मौका देती हैं। वे हमारा मनोरंजन भी करती हैं और हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं, साथ ही दूसरों की दुनिया में झांकने का मौका भी देती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है ह्यअपने तरीके से पढ़ेंह्न, यह थीम सभी आयु वर्ग के लोगों विशेषतः बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ने में आनंद आने का अनुभव कराना और उनकी पढ़ने की आदत को मजबूत बनाना है।

23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। इस दिन कई विश्वप्रसिद्ध लेखकों का जन्मदिवस या पुण्यतिथि होती है। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स और जोसेप प्लाया का इसी दिन निधन हुआ था, जबकि मैनुएल मेजिया वल्लेजो और मौरिस ड्रून इसी दिन पैदा हुए थे। यूनेस्कों ने 23 अप्रैल 1995 को इस दिवस को मनाने की शुरूआत की थी। पैरिस में यूनेस्को की एक आमसभा में फैसला लिया गया था कि दुनियाभर के लेखकों का सम्मान करने, उनको श्रद्धांजली देने और किताबों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए इस दिवस को मनाया जाएगा। पुस्तकों को ज्ञान का बाग भी कहा जाता है। यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम में अनेक बार किया। पुस्तकों में जीवन का रहस्यमय एवं रोमांचक संसार है। इसलिये पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहन देकर ही हम उन्नत संस्कार, संसार एवं सृष्टि का निर्माण कर सकेंगे। किताबों में ही किताबों के बारे में जो लिखा है वह भी बहुत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक है। मसलन टोनी मोरिसन ने लिखा है- ह्यकोई ऐसी पुस्तक जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं, लेकिन जो लिखी न गई हो, तो आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। नरेन्द्र मोदी प्रयोगधर्मा एवं सृजनकर्मा राजनायक हैं, तभी उन्होंने उपहार में ह्यबुके नहीं बुकह्न यानी किताब देने की बात कही। सत्साहित्य में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की संरचना करती है। इसी से सकारात्मक परिवर्तन होता है जो सत्ता एवं कानून से होने वाले परिवर्तन से अधिक स्थायी होता है। यही कारण है कि मोदीजी भारत को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है, क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य है और जन-जन के लिये उपयोगी है, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी है। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती है। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने- तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके।

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

- जयप्रकाश गर्ग

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फामूर्ले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेजी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फामूर्ले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फामूर्ले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फामूर्ले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है।

पुर्तगाली शासन से भारतीय संस्कृति का नाश हुआ

- संजय गोस्वामी

15वीं शताब्दी के अंत में पुर्तगाली हिंद महासागर में आए और भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट पर पहुंचे, जहाँ पेड्रो अल्वारेस कैब्राल ने 1500 में कोच्चि में पहली यूरोपीय बस्ती की स्थापना की। 1503 में पुर्तगालियों ने कोच्चि में एक किला बनाया, जो भारत में उनका पहला किला था। 1503 से 1663 तक, कोच्चि पर पुर्तगालियों का शासन रहा। कोच्चि भारत में पुर्तगालियों का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था जिसके लिए पुर्तगालियों ने केरल में , लैटिन और पुर्तगाली भाषाओं को बढ़ावा दिया, और प्रिंटिंग प्रेस की शुरूआत व्यापार के लिए की। पुर्तगालियों ने भारत में कई व्यापारिक केंद्र स्थापित किए, जैसे कि कालीकट, गोवा, दमन, दीव और हुगली आदि।

जब मैं केरल के पल्लिपुरम शहर में गया तो देखा कि 1503 में पुर्तगाली नाविकों द्वारा निर्मित, पल्लिपुरम किला या टोरे डी पलिपोराओ, भारत में अभी भी अस्तित्व में सबसे पुराना यूरोपीय किला है। वास्को डी गामा 1498 में मालाबार तट के उत्तरी भाग में कालीकट, जिसे अब कोझीकोड के रूप में जाना जाता है, पहुंचे। जमोरिन साम्राज्य की राजधानी, कालीकट ने पुर्तगाली नियंत्रण का प्रयास किया, विशेष रूप से व्यापार पर (जबकि अरब सदियों से अच्छी तरह से स्थापित थे)। आगे दक्षिण में कोचीन का बंदरगाह शहर था (जिसे आज कोच्चि कहा जाता है), और पुर्तगाली एडमिरल पेड्रो अल्वारेस कैब्राल ने 1500 में जमोरिन के खिलाफ स्थानीय शासक के साथ गठबंधन किया, जिससे मार पिट की कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया उस समय लड़ने के लिए उनके पास टोप और रिवाल्वर थी और कोच्चि के राजा के पास सिर्फ तलवार और जो लड़ने के लिए था वो बारूदी अस्त्र नहीं था इसलिए वहाँ उनको हरा नहीं पाएं और पुर्तगाली ने व्यापारी दृष्टिकोण से वर्षों तक शासन किया जिसके कारण कोचीन पुर्तगाली संरक्षित राज्य बन गया। कोचीन वास्तव में पुर्तगाली भारत की पहली राजधानी थी कोच्चि में वास्को दा गामा की कब्र भी थी, जब तक कि उनके अवशेष 1539 में पुर्तगाल को वापस नहीं कर दिए गए।

कोचीन पहले से ही एक वैश्विक व्यापार केंद्र था, जो पुर्तगालियों के आने से बहुत पहले ही अरबों और चीनी दोनों को आकर्षित कर रहा था। इसके शासक को चीनी लोग केयिल के नाम से जानते थे, और 1400 के दशक में मिंग राजवंश के शाही दरबार ने कोचीन को जमोरिन से बचाने के लिए विशेष दर्जा भी दिया था। चीनी एडमिरल झेंग हे ने सम्राट यंगले (???) से उपहार भी लाए थे। यहूदी व्यापारियों का एक बड़ा समुदाय भी थे , और पुर्तगालियों के आने पर सेंट थॉमस ईसाइयों भी भी। भारतीय ईसाइयों के इस समुदाय की जड़ें पहली शताब्दी में थॉमस द एपोस्टल की इंजील गतिविधियों से जुड़ी , और वे सीरियाई ईसाई धर्म के नियमों का पालन करने वाले चर्च ऑफ द ईस्ट का हिस्सा थे।

इसलिए पुर्तगालियों ने खुद को एक मौजूदा संपन्न व्यापार नेटवर्क वहाँ कर लिया, और इसके साथ ही पूर्व में दक्षिण-पूर्व एशिया और फिर चीन और जापान तक चले गए।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और किसी पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है।

तुला करियर में मिलाजुला होगा। अपनी इच्छा के विपरीत कोई कार्य करना पड़ सकता है।

वृषभ आज करियर में लाभ होगा और आपकी संपत्ति और सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृश्चिक करियर में लाभ के योग बने हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए बहुत फलदायी रहेगा।

मिथुन आज दिन तरक्की के नए अवसर लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता का सम्मान होगा।

धनु दिन चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

कर्क आज करियर में लाभ होगा और आपके लिए यात्रा के योग बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में स्थिरता रहेगी।

मकर भाग्य आपका साथ देगा क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी। धन, कीर्ति और पद में वृद्धि के संकेत हैं।

सिंह आज करियर में लाभ होगा। आपके घर में मांगलिक या धार्मिक कार्यक्रम हो सकता है।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या आज मेहनत और संयम की मांग करता है। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

मीन दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा, लाभ के संकेत हैं। संपत्ति में निवेश करना लाभकारी रहेगा।

विशेष

फ्री में, पतंजलि के शरबत का करोड़ों रुपए का विज्ञापन?

बाबा रामदेव से बड़ा व्यापारी आज सारी दुनिया के देशों में और कोई नहीं है। बाबा जिस दिलेरी के साथ पतंजलि के उत्पाद को बेचने के लिए ऐसा कुछ कर देते हैं। जो लोगों को बाद में समझ में आता है। बाबा का जितना विरोध होता है। उतना ही उनके उत्पाद का प्रचार हो जाता है। बाबा ने पतंजलि का शरबत बेचने के लिए एक अन्य उत्पाद को मस्जिद और मदरसे से क्या जोड़ा, पतंजलि के शरबत का देश और दुनिया में फ्री में प्रचार हो गया। पत्रकार और राजनीतिक दल भी उस प्रचार में शामिल हो गए। बाबा रामदेव खाटी बनिया है। यदि कोई उल्टा मामला पड़ा, तो माफी भी मांग लेंगे। उन्होंने रूह अफजा का नाम नहीं लिया था। लेकिन रूह अफजा के पैरलल उनका शरबत बाजार में बिकने लगा है।

हाँका लगाकर, ममता बनर्जी का शिकार करना चाहती है भाजपा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शिकार करने, भाजपा ने पुराने शिकारियों की तरह ममता बनर्जी को घेरने के लिए हाँका की रणनीति अपनाई है। ढोल ढमाके के साथ शिकारी हथियारों के साथ शिकार को उस स्थान पर ले जाते थे जहां उसका आसानी से शिकार हो जाए। ममता बनर्जी का शिकार करने के लिए गृह मंत्रालय के सुरक्षा बल, राज्यपाल, भाजपा संगठन, हाईकोर्ट, महिला आयोग और मीडिया द्वारा पहले ममता बनर्जी को घेरने की कोशिश होती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1533 कैथोलिक चर्च ने इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम और अरागान की कैथरीन का विवाह अवैध करार दिया. 1564 विलियम शेक्सपियर का जन्म हुआ. 1774 ब्रिटिश कमांडर कर्नल चैयरमैन के नेतृत्व में अंग्रेजों ने रूलखंड पर कब्जा किया. 1873 उत्तर पश्चिम सुमात्र में आशिन के सुलतान और डच फौजों में युद्ध भड़का. 1895 चीन का कुछ भाग जापान को दिए जाने पर रूस,फ्रांस और जर्मनी ने विरोध दर्ज किया. 1904 अमेरिका ने फ्रांस के पनामा नहर कंपनी की सम्पति अपने कब्जे में ले ली. 1935 नौ वर्ष तक विचार-विर्मश करने के बाद पोलैंड का संविधान स्वीकार किया गया. 1965 फ्रांस ने दक्षिण पूर्व एशिया संधि संगठन से अपने नौ सैनिक बेड़े को हटा लिया. 1972 अपोलो-46 अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद से धरती की वापसी यात्रा शुरू की.

दैनिक पंचांग

23 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

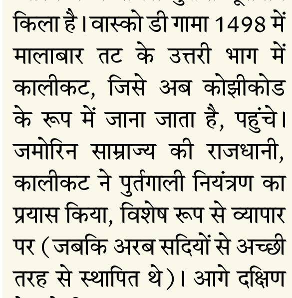

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	08.47 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	11.00 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.16 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.28 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.39 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.53 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.09 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.15 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	कुंभ	02.01 बजे से
		मीन	03.34 बजे से
		मेष	05.04 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 113 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 16.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 12.08 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 18.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 05.34 बजे, विष्टि 16.44 बजे तदनन्तर बव 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872323 **जूलियन दिन** 2460788.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक ऐसा अनोखा गांव जहां हर किसी को बुलाने के लिए बनी है अलग धुन

अगर आपको कोई व्यक्ति नाम से नहीं बल्कि सीटी बजाकर या फिर किसी अन्य धुन की मदद से पुकारे तो फिर आपको कैसा लगेगा? शायद सुनने में आपको थोड़ा अजीब लगे। लेकिन अगर आपसे यह बोला जाए कि भारत के एक गांव में किसी भी व्यक्ति को नाम से नहीं बल्कि सीटी या विशेष धुन बजाकर पुकारा जाता है तो फिर आपका जवाब क्या होगा। जी हां, नॉर्थ-इंडिया में एक ऐसा अनोखा गांव है जहां लगभग हर कोई किसी अन्य व्यक्ति को बुलाने के लिए सीटी या धुन का उपयोग करता है। यह गांव इस विशेषता के लिए सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि भारत के बाहर भी फेमस है। आइए इस गांव के बारे में जानते हैं।

क्या है व्हिसलिंग विलेज का नाम?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जिस व्हिसलिंग विलेज के बारे में हम जिक्र कर रहे हैं उस अनोखे गांव का नाम कोंगथोंग है। कहा जाता है कि यह अनोखा गांव विश्व भर का एक अनोखा गांव है जहां के लोग दूसरे को नाम से नहीं बल्कि सीटी बजाकर बुलाते हैं। इस अजीबो-गरीब परंपरा के चलते इस गांव का नाम भी व्हिसलिंग विलेज रख दिया गया है, आज इसी नाम से यह गांव प्रचलित भी है।

हर व्यक्ति के लिए अलग धुन

आप यह ज़रूर सोचा रहे होंगे कि अगर किसी व्यक्ति को बुलाना हो और सीटी की आवाज एक जैसा हो तो फिर क्या होगा? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस गांव के लोग सीटी मारकर किसी को बुलाने के लिए प्रैक्टिस करते रहते हैं। कहा जाता है कि इस अनोखे गांव में लगभग 200 परिवार रहता है और लगभग 100 से अधिक धुन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, कई लोग बोलते हैं कि धुन की संख्या अधिक है।

क्या सच में संस्कृति का हिस्सा है?

कहा जाता है कि कोंगथोंग में सीटी बजाना कोई फैशन नहीं बल्कि यह स्थानीय संस्कृति का हिस्सा है। कहा जाता है कि आवाज की वजह से पशु या पक्षी डर न जाए इसलिए भी पक्षियों की आवाज में यहां के लोग धुन या सीटी बजाकर एक-दूसरे को बुलाते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें सीटी बजाने की धुन में पशु और पक्षियों की आवाज भी शामिल है। भारत का यह अनोखा गांव शिलांग से लगभग 55 किलोमीटर की दूरी पर है। ऐसे में आप शिलांग से लोकल बस या टैक्सी को लेकर जा सकते हैं। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से भी आप यहां जा सकते हैं। यह गांव मेघालय में है।

समुद्री जहाज कैसे पता करते हैं अपना रास्ता

जहाज नेविगेशन के लिए कई टूल और टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं कुछ पारंपरिक तरीके जिनका उपयोग जहाज अपना रास्ता ढूंढने के लिए करते थे।

जहाज नेविगेशन के लिए कई टूल और टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं, जो नाविकों को सुरक्षित और सटीक मार्गदर्शन में मदद करते हैं। आज के आधुनिक दौर में, जहाजों के लिए अपना रास्ता ढूंढना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) जैसी तकनीकों के आगमन के साथ, जहाज पृथ्वी की सतह पर अपनी सटीक स्थिति निर्धारित कर सकते हैं और निर्धारित मार्गों का पालन कर सकते हैं। लेकिन जीपीएस से पहले, जहाज कई सदियों से समुद्रों को पार करते रहे हैं, और यह केवल नाविकों के कौशल और ज्ञान के माध्यम से ही संभव था। तो आइए जानते हैं कुछ पारंपरिक तरीके जिनका उपयोग जहाज अपना रास्ता ढूंढने के लिए करते थे।

रडार

यह जहाजों, हिमखंडों और तटीय बाधाओं जैसे लक्ष्यों का पता लगाने के लिए रेडियो तरंगों का इस्तेमाल करता है। रडार स्क्रीन पर जहाज के आसपास के क्षेत्र का तस्वीर प्रदर्शित करता है, जिससे नाविकों को टकराव से बचने और अपने मार्ग का मार्गदर्शन करने में मदद मिलती है।

सोनार

यह पानी की गहराई को मापने के लिए ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करता है। सोनार तल से परावर्तित ध्वनि तरंगों के गूंज का एनालिसिस करके काम करता है। यह नाविकों को अनदेखी खतरों, जैसे कि चट्टानें और मलबे से बचने में मदद करता है।

दिशा सूचक यंत्र

यह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके दिशा निर्धारित करने के लिए एक चुंबकीय सूचक का उपयोग करता है। दिशा सूचक यंत्र सदियों से नेविगेशन के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है और यह आज भी एक महत्वपूर्ण उपकरण है, खासकर जब अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विफल हो जाते हैं।

चुंबकीय परकार

यह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सच्चे उत्तर (ज्योतिषीय उत्तर) के बीच अंतर को मापता है। चुम्बकीय भिन्नता को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, ताकि दिशा सूचक यंत्र से प्राप्त रीडिंग को सही ढंग से व्याख्या किया जा सके।

एआरपीए

यह एक टक्कर-रोधी रडार प्रोसेस है, जो नाविकों को आसपास के जहाजों की स्पीड और प्रोग्राम को ट्रैक करने में मदद करती है। एआरपीए टकराव के खतरे की चेतावनी दे सकता है और नाविकों को टकराव से बचने के लिए पैंतरेबाजी करने में मदद कर सकता है।

जीपीएस

यह उपग्रहों से संकेतों का इस्तेमाल करके जहाज की स्थिति और समय को अत्यधिक सटीकता के साथ निर्धारित करता है। जीपीएस ने नेविगेशन में क्रांति ला दी है और यह अब जहाजों के लिए एक अनिवार्य उपकरण है।

गति और दूरी लॉग डिवाइस

यह जहाज की गति और किसी निश्चित स्थान से उसकी दूरी को मापता है। यह जानकारी नाविकों को अपनी प्रगति को ट्रैक करने और अनुमानित आगमन का समय निर्धारित करने में मदद करती है।

ऑटोपायलट

यह एक ऑटोमेटिक प्रोसेस है, जो मानव हस्तक्षेप के बिना जहाज को एक पूर्व निर्धारित प्रोग्राम पर रख सकती है। ऑटोपायलट का इस्तेमाल लंबी यात्राओं पर नाविकों के काम का बोझ कम करने और ईंधन बचाने में मदद करने के लिए किया जा सकता है।

दिक्सूचक

यह एक तेजी से घूमने वाला उपकरण है, जो पृथ्वी के अक्ष के घूर्णन और कोणीय गति के संरक्षण के सिद्धांत का इस्तेमाल करके सही उत्तर की ओर इशारा करता है। दिक्सूचक का उपयोग जहाजों के झुकाव और रोल को मापने के लिए भी किया जा सकता है।

पानी पर तैरता जहाज आखिर क्यों नहीं डूबता?

आपने कई बार पानी वाले जहाज में सफर किया होगा, मगर क्या आपको पता है कि यह बहते पानी में चलता कैसे है और यह डूबता क्यों नहीं है? अगर नहीं तो आइए जानते हैं।
पानी में रास्ता कैसे ढूंढा जाता है? कैसे पता चलता है कि कहां जाना है? जहाज में कौन-सा तेल डाला जाता है? हालांकि,जब हम जहाज में बैठते हैं तो हमारे सवालों के जवाब खुद ही मिल जाते हैं। ऐसे में अगर कुछ पता नहीं चल पाता वो है कि जब एक जहाज पानी में डूबता कैसे नहीं है।

आखिर क्यों नहीं डूबता जहाज?

कोई भी नाव या जहाज पानी में नहीं डूबते, जबकि नॉर्मल लौहे की वस्तु पानी में अगर फेंक दी जाए तो वह डूब जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये आर्कीमिडीज के सिद्धांत को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं और इसी आधार पर काम करते हैं। जब हम पानी में लोहे की कोई वस्तु डालते हैं, तो वो अपने भार के बराबर जल को हटाती हुई नीचे जाती है। जबकि जहाज के अंदर जो हवा होती है, वह पानी की तुलना में बहुत कम घनी होती है। यही चीज इसे पानी में डूबने नहीं देती।

क्या है आर्कीमिडीज सिद्धांत?

आसान शब्दों में समझने की कोशिश की जाए, तो आर्किमिडीज का सिद्धांत कहता है कि पानी में डूबी किसी वस्तु पर ऊपर की ओर लगने वाला कुल बल वस्तु द्वारा हटाए गए पानी के भार के बराबर होता है। यानी तैरते हुए पिंड का वजन उसके डूबे हुए भाग द्वारा विस्थापित तरल के वजन के बराबर होता है। इसलिए, एक जहाज पानी में तैरने में सक्षम होता है क्योंकि उसका वजन उसके द्वारा हटाए गए पानी के वजन के बराबर होता है।

पानी वाला जहाज समुद्र में कैसे चलता है?

हर जहाज को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इसका इंजन, प्रणोदित्रों, पैडल व्हील, मशीनों और प्रोपेलर पानी के दवाब को ऊपर करके गति प्रदान करता है, जिससे जहाज को हवा मिलती है और यह आगे बढ़ता है। हालांकि, किसी भी जहाज में प्रोपेलरों की संख्या इसके आकार पर निर्भर करती है, पर ज्यादातर जहाज में प्रोपेलर चार होते हैं।

रात में एक करोड़ तरह की रंगीन लाइट से रोशन होती है ये जगह

जापान की रोक्को पर्वत श्रृंखला में माउंट रोक्को सबसे उंची चोटी है। जापानी शहर कोबे से यह बहुत नज़दीक है। यहां बनी यह आब्जर्वेटरी यानि वेधशाला विश्वविख्यात है। इस चोटी पर मौसम बदलता रहता है। कभी भीषण गर्मी तो कभी भंयकर सर्दी होती है। चारों और जालीनुमा पत्तियों वाले पेड़ हैं। प्रसिद्ध आर्किटेक्चर हिरोशी सानबुची ने इन्ही पत्तियों की तरह इसका उपरी हिस्सा हल्की लकड़ी और स्टील से डिज़ाइन किया है। इस आब्जर्वेटरी में सर्दियों में मौसम गर्म, तो गर्मियों में मौसम ठंडा रहता है। रात में एलईडी से एक करोड़ तरह की रंगीन लाइट निकलती है।

न्यूयॉर्क के इस हाल में है पूरा अंतरिक्ष

अंतरिक्ष की तरह दिखने वाली ये जगह न्यूयॉर्क का डिजिटल आर्ट सेंटर है। यह बैंक की एक इमारत में बनकर तैयार हुआ है। हॉल दे लुमिएर्स के नाम से प्रसिद्ध इस सेंटर की दीवारों और फ्लोरिंग को ऑस्ट्रियाई कलाकार गुस्ताव क्लिम्ट ने अपने हुनर से एक नया रूप दिया है। पेरिस के एटेलिए दे लुमिएर्स और दुबई के इन्फिनिटी ऐ लुमियर्स की तरह ही इस सेंटर में अंतरिक्ष जैसा नजारा युवाओं को रोमांचक अनुभव कराएगा। 33 हजार वर्गफीट में फैले इस सेंटर को फ्रांस की कल्चर स्पेस कंपनी ने खूबसूरत ढंग से बनकर तैयार किया है। इसके अलावा इस पूरे सेंटर में घूमने के लिए आपको टिकट लेना होता है। इसके अलावा आप अलग-अलग कलाकृतियों का आनंद उठाते हुए 1 घंटे के अंदर पूरा सेंटर घूम सकते हैं, जैसे-जैसे आप इस सेंटर में आगे की ओर बढ़ते हैं, उसी तरह आप अलग-अलग नजारों का आनंद उठा पाते हैं।

अतंरिक्ष थीम पर बनकर तैयार बबल हाउस बना आर्कषण का केन्द्र

ये नज़ारा किसी अतंरिक्ष प्रयोगशाला का नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के कराली शहर में बना बबल हाउस का है। एनिमेटेड सीरिज से प्रभावित ये इमारत तीन मंज़िला है। इस मकान को बनाने के लिए ग्यारह विशाल डोम को एक साथ जोड़ा गया है। इसमें बीस कमरे, चार बाथरूम, तीन बेडरूम, और चार कार गैरेज है। आर्किटेक्ट ग्राहम बिरचाल ने इसकी डिज़ाइनिंग की है। हालाकि इस नायाब और खूबसूरत मकान को तैयार करने में उन्होंने नासा की भी मदद ली है। नदी किनारे बनाई गई इस प्रापर्टी की कीमत 8.22 करोड़ रूपये है।

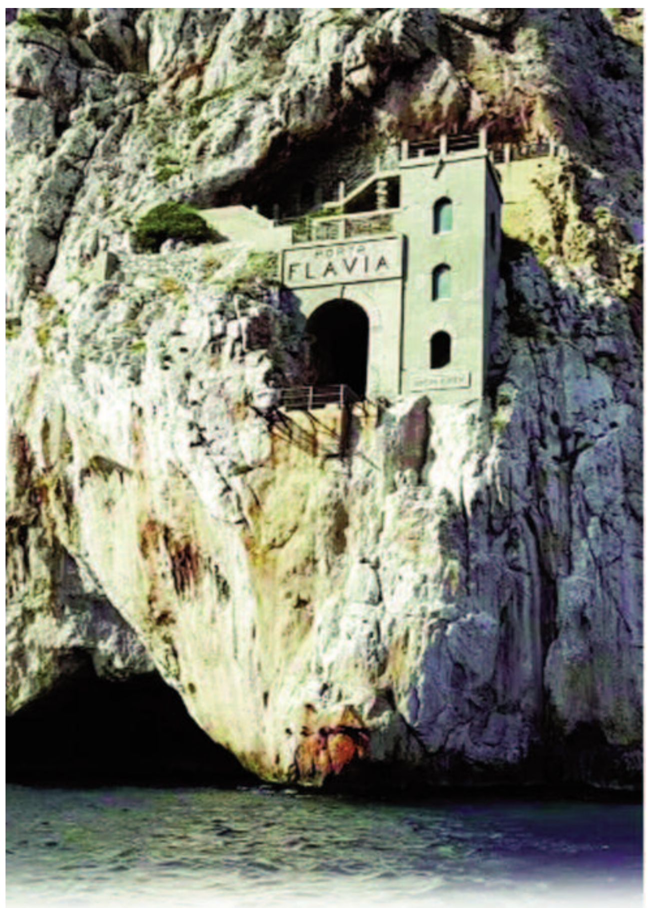

इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना है पोर्टो फ्लाविया बंदरगाह

पोर्टो फ्लाविया एक समुद्री बंदरगाह है जो इटली के इग्लेसियस कम्यून में नेबिडा के पास मौजूद है। सन् 1923-24 में बनाया गया यह बंदरगाह सार्डिनियन इग्लेसिएंट क्षेत्र के पश्चिमी तट में मसुआ के खनिज उत्पादन केंद्र के रूप में कार्य करता था। इसका नाम बंदरगाह के इंजीनियर और डिजाइनर सेसारे वेसेली की बेटी फ्लाविया वेसेली के नाम पर रखा गया है। बंदरगाह की विशेषताएं इसे दुनिया में अद्वितीय बनाती हैं। इसके निर्माण के वक्त यह एक उत्कृष्ट इंजीनियरिंग उपलब्धि मानी जाती थी।

दुनिया में इंजीनिरिंग के ऐसे कई उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जिन्हें देखकर आप चौंक जाएंगे. हाल के दिनों में इंजीनियरिंग का ऐसा ही चमत्कार कहा जाने वाला बंदरगाह लोगों के बीच चर्चा में है. इसे देखने के बाद यकीनन आज के वैज्ञानिक भी चौंक जाएंगे.
बंदरगाह की बनावट देख दंग रह जाते हैं लोग, इंजीनियरिंग का चमत्कार है ये जगह
आज के समय में भले ही विज्ञान की मदद से हम नामुमकिन से लगने वाले काम को मुमकिन कर सकते हैं. अगर आपको ऐसा लगता है कि विज्ञान ने हाल-फिलहाल में इतनी तरक्की की है तो आप गलत है. दुनिया में इंजीनिरिंग के ऐसे कई उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जिन्हें देखकर आप चौंक जाएंगे. हाल के दिनों में इंजीनियरिंग का ऐसा ही चमत्कार कहा जाने वाला बंदरगाह लोगों के बीच चर्चा में है. जिसे देखने के बाद यकीनन आज के वैज्ञानिक भी चौंक जाएंगे क्योंकि ये पूरी तरीके से समुद्र और आकाश के बीच लटका हुआ है.

यहां बात हो रही है पोर्टो फ्लाविया इटली के सार्डिनिया के बारे में, जिसका निर्माण 1923-24 में हुआ था. ये पोर्ट समुद्र से 50 मीटर ऊपर एक चट्टान पर स्थित है. जिसकी बनावट देख लोग हैरान रह जाते हैं. इस बंदरगाह को लेकर कहा गया है कि ये भव्य इमारत Pan di Zucchero पहाड़ पर स्थित है. जिसके भीतर 600 मीटर लंबी दो सुरंगें भी हैं. इसका इस्तेमाल मसुआ खदानों में से जस्ता और सीसा अयस्कों को मालवाहक जहाजों में लोड करने के लिए किया जाता था. बता दें कि ये बंदरगाह 1960 के दशक तक चालू था. हालांकि समय के साथ ये अब पूरी तरीके से बंद हो चुका है और अब ये एक टूरिस्ट प्लेस बन चुका है. जिसे देखने हर साल लाखों लोग आते हैं. वे इसकी अद्भुत बनावट को देखकर दंग रह जाते हैं. अब इससे जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में आप देख सकते हैं कि चारों ओर दूर-दूर तक फैला नीला और फिरोजा रंग का पानी मौजूद है. जो किसी के भी मन को आसानी से मोह सकता है. यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटक नावों का इस्तेमाल करते हैं. पोर्टो फ्लाविया दुनिया में अद्भुत बंदरगाह है. इस जगह के बारे में कुछ लोग कहते हैं कि यह दुनिया की सबसे खूबसूरत खदान है. इसकी खूबसूरती का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि ये यूनेस्को द्वारा संरक्षित पर्यटक स्थल है.

सोने के वायदा भाव में तेज उछाल

एक लाख के करीब पहुंचा दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में लगातार चौथे दिन तेजी जारी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना वायदा का भाव एक लाख के करीब पहुंच गया है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 1,899 रुपये की तेजी के साथ सोना 99,178 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सबसे अधिक कारोबार वाले जून डिलीवरी अनुबंध का भाव शुरुआती कारोबार में 1,899 रुपये या करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 99,178 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। बाद में जून अनुबंध वाला सोना 1601 रुपये या 1.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

जबकि सोने का अगस्त अनुबंध 1,848 रुपये या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। इसके अलावा अक्तूबर अनुबंध ने एमसीएक्स पर पहली बार एक लाख रुपये का आंकड़ा पार किया, जो 2,000 रुपये या 2 प्रतिशत बढ़कर 1,00,484 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना वायदा 3,504.12 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। बाद में यह 65.42 डॉलर या 1.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,490.72 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व में सुधार की योजना का खुलासा करने के बाद अमेरिकी मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं के कारण सोने की कीमतों में उछाल आया है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बढ़ने के बीच सोने की कीमतें पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 3,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई और घरेलू बाजारों में भी 97,000 डॉलर के स्तर को पार कर गईं।

वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कलंत्री ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बीच ब्याज दरों में कटौती को लेकर विवाद के बाद डॉलर इंडेक्स 3 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया।

ट्रंप ने फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती करने के लिए कहा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यदि ब्याज दरों में तत्काल कटौती नहीं की तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ सकती है। वहीं शुक्रवार को व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम इस बात पर अध्ययन कर रही है कि क्या वे फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल को हटा सकते हैं। पिछले सप्ताह फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा था कि केंद्रीय बैंक निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती करने के लिए इच्छुक नहीं है, क्योंकि उन्होंने नए टैरिफ से उत्पन्न संभावित मुद्रास्फीति दबाव और आर्थिक अनिश्चितताओं का हवाला दिया था।

10 साल के बच्चे अब खुद चला सकेंगे अपना बैंक खाता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दे दी। केंद्रीय बैंक ने इस संदर्भ में नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन पर संशोधित निर्देश जारी किये हैं। रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी

बैंकों को जारी एक परिपत्र में कहा कि किसी भी आयु के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। उन्हें अपनी मां को अभिभावक के रूप में रखकर भी ऐसे खाते खोलने की अनुमति दी जा सकती है। शीर्ष बैंक की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया, कम-से-कम दस वर्ष की आयु सीमा और उससे ऊपर के नाबालिगों को उनकी इच्छा पर स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। इसमें बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए राशि और शर्त तय कर सकते हैं। इस बारे में जो भी नियम और शर्तें तय की जाती हैं, उस बारे में खाताधारक को जानकारी दी जाएगी।

मिलेंगी ये सुविधाएं

इसके अलावा, वयस्क होने पर, खाताधारक के नये संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया, बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद और ग्राहकों के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र हैं।

एक और नए कारोबार में पूनावाला फिनकॉर्प की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने एक और नए बिजनेस कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लोन्स में एंट्री की है। कंपनी ने पिछले दिनों ही गोल्ड लोन कारोबार में कदम रखा है। इंस्टैंट पर्सनल लोन देने के लिए पूनावाला फिनकॉर्प ने मोबिक्विक से भी साझेदारी की है। पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर मंगलवार को उछाल के साथ 400 रुपये

के पार पहुंच गए हैं। पिछले पांच साल में कंपनी के शेयरों में 1900 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पूनावाला फिनकॉर्प ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि तेजी से बढ़ते रिटेल लेंडिंग सेगमेंट में पैठ जमाने के लिए कंपनी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लोन्स बिजनेस में उतरी है। कंपनी ने डिजिटल EMI कार्ड भी पेश किया है, जो कि प्री-अप्रूव्ड लिमिट ऑफर करता है। डिजिटल EMI कार्ड से ग्राहकों के लिए कंज्यूमर ड्यूरेबल्स परचेज आसान और ज्यादा सुविधाजनक होगी।

भारत ने स्टील के आयात पर लगाया 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ, 200 दिनों तक रहेगा लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बेलगाम आयात को रोकने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ लगाया है। इस टैरिफ को स्थानीय रूप से सुरक्षा शुल्क के रूप में जाना जाता है। सरकार ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना भी जारी कर दी। इस फैसले पर केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर 12 प्रतिशत रक्षोपाय शुल्क लगाने के सरकार के फैसले से घरेलू उत्पादकों, मुख्य रूप से एसएमई को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात के कारण भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया में कच्चे स्टील के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक भारत ने कहा कि सोमवार से प्रभावी यह टैरिफ 200 दिनों के लिए लगाया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा, इस अधिसूचना के तहत लगाया गया सुरक्षा शुल्क इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो सौ दिनों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा (जब तक कि इसे पहले ही रद्द, प्रतिस्थापित या संशोधित नहीं कर दिया जाता है अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विभिन्न देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लगाए जाने के बाद भारत की तरफ से स्टील पर शुल्क में वृद्धि पहला बड़ा व्यापारिक नीतिगत कदम है। भारत के टैरिफ मुख्य रूप से चीन पर लक्षित हैं जो 2024-25 में दक्षिण कोरिया के बाद भारत को इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था। सरकार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने लगातार दूसरे साल वित्त वर्ष 2024-25 में 95 लाख टन तैयार स्टील का आयात किया, जो नौ वर्ष में सर्वाधिक है। सरकार से भारत के स्टील उत्पादकों ने बेलगाम आयात पर लगाम लगाने की मांग की थी।

घरेलू उत्पादकों को मिलेगी राहत

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि इस कदम से घरेलू उत्पादकों, खासकर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमों को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात से भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। रक्षोपाय शुल्क बाजार में स्थिरता बहाल करने और घरेलू उद्योग के विश्वास को मजबूत करने में मदद करेगा। इस्पात मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि यह उपाय घरेलू इस्पात विनिर्माताओं को आयात बढ़ने के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने और बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए समय पर उठाया गया आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि इस्पात मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है कि घरेलू इस्पात क्षेत्र मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बना रहे। भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बयान में कहा, ''हम सरकार के कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 प्रतिशत का रक्षोपाय शुल्क लगाने के फैसले का स्वागत करते हैं। यह महत्वपूर्ण कदम भारतीय विनिर्माताओं को अनुचित निर्यात से संरक्षण देगा, घरेलू उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा और मजबूत आत्मनिर्भर भारत की ओर हमारे कदम को आगे बढ़ाएगा।

इधर रेपो रेट में हो रही थी कटौती, उधर जमकर सरकारी बॉन्ड खरीद रही थी रिलायंस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल के दिनों में जमकर सरकारी बॉन्ड खरीदे हैं। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने सेकंडरी मार्केट से करीब 10,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड्स खरीदे हैं। यह खरीदारी रेपो रेट में कटौती के बाद की गई। आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी ने 9 अप्रैल को रेपो रेट में लगातार दूसरी बार 25 आधार अंक की कटौती की थी। आरबीआई ने आगे भी रेपो रेट में कटौती के संकेत दिए हैं। इस बारे में रिलायंस के ईमेल का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में मार्केट पार्टसिपेंट्स के हवाले से बताया गया है कि इस महीने के दूसरे हफ्ते रिलायंस ने संभवत: 7,000 से 10,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड्स खरीदे। बाजार को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सरकारी बॉन्ड्स पर यील्ड 6.25 फीसदी तक गिर सकता है। एक सूत्र ने कहा कि पॉलिसी डे के दिन रिलायंस ने बाजार से जमकर सरकारी बॉन्ड्स की खरीदारी की। रिलायंस के अलावा प्राइवेट बैंकों ने भी सरकारी बॉन्ड्स खरीदे। 10 साल के मैच्योरिटी वाले सरकारी बॉन्ड पर यील्ड कई साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि पॉलिसी डे के दिन रिलायंस बहुत एक्टिव थी। उसने पॉलिसी डे से पहले और बाद में भी सरकारी बॉन्ड खरीदे। आरबीआई के इस साल दो बार और पॉलिसी रेट में कटौती करने की संभावना है। साथ ही ओपन मार्केट ऑपरेशंस ऑक्शन के कारण मौजूदा सप्लाई-डिमांड मिसमैच से सरकार बॉन्ड्स की डिमांड बढ़ी है। साल की दूसरी छमाही में सप्लाई बढ़ने से निवेशक मुनाफावसूली की उम्मीद कर रहे हैं।

भारत को एआई का ग्लोबल हब बनाने और निवेश पर चर्चा; यूएस में निर्मला सीतारमण ने की अहम बैठकें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन दिनों अपने अमेरिका और पेरू की 11 दिन की यात्रा पर हैं। उन्होंने इस दौरे की शुरुआत रविवार को सैन फ्रांसिस्को से की, जहां उन्होंने भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की और कई बड़ी टेक कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठकें कीं। साथ ही सोमवार को सीतारमण ने सिलिकॉन वैली की प्रमुख कंपनियों के अधिकारियों और निवेशकों से बातचीत की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की।

अंजनी मिधा और रघु रघुराम से की मुलाकात- सीतारमण ने वेंचर कैपिटल फर्म ड्ड165 के जनरल पार्टनर अंजनी मिधा और टेक कंपनी वीएम वेयर के सीईओ रघु रघुराम से मुलाकात की। जहां मिधा और रघुराम ने भारत में एआई और तकनीक के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की तारीफ की। साथ ही भारत के साथ सहयोग की इच्छा जताई। सीतारमण ने उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एआई एआई के इस्तेमाल के लिए साझेदारी करने को कहा।

डिजिटल इंडिया पहल की सराहना- वित्त मंत्री ने आगे गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन से भी मुलाकात की। कुरियन ने भारत की डिजिटल इंडिया पहल की सराहना की और भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में उभरते देखने की इच्छा जताई। उन्होंने बताया कि गूगल क्लाउड 2030 तक पूरी तरह से कार्बन-फ्री ऊर्जा पर काम करेगा साथ ही भारत में निवेश की योजना पर भी चर्चा की।

एआई को बढ़ावा देने पर जोर- इसके अलावा एआई टेक कंपनी डाटा रोबोट के सीईओ देबांजन साहा से मुलाकात में सीतारमण ने भारत सरकार की ओर से एआई और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। इसमें इंडिया एआई मिशन, स्थानीय भाषाओं में एआई तकनीक और आईआईटी जोधपुर में एआई केंद्र की स्थापना शामिल है।

निवेशकों के साथ सीतारमण ने किया लंच- सीतारमण से मुलाकात के दौरान ट्यूरिंग के सीईओ जोनाथन सिद्धार्थ ने भारत के एआई प्रयासों को वैश्विक रोल मॉडल बताया और भारत के साथ साझेदारी की इच्छा जताई। साथ ही सीतारमण ने निवेशकों के साथ एक लंच राउंडटेबल में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने भारत में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार 1 लाख करोड़ रुपये की निजी क्षेत्र संचालित ऋष्ठ योजना पर काम कर रही है, जिससे नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

खादी और ग्रामोद्योग कारोबार का नया रिकॉर्ड, पहली बार 1 लाख 70 हजार करोड़ के पार

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आंकड़े जारी किए

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2024-25 में खादी और ग्रामोद्योग के कारोबार ने अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसका कारोबार स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार हो गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने नया कीर्तिमान रचा है।

11 साल में कितना उछाल-उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में खादी उत्पादन में 347 प्रतिशत के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गयी है और 1.94 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि खादी-ग्रामोद्योग भवन नयी दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचा है। मनोज कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109.07 करोड़ रुपये का था। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में यह करीब चार गुना बढ़कर 347 प्रतिशत के उछाल के साथ 116599.75 करोड़ रुपये पहुंच गया।

बिक्री में 5 गुना बढ़ोतरी-वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154.19 करोड़ रुपये थी। वहीं करीब पांच गुना बढ़कर 447 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2024-25 में 170551.37 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो कि अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है। मनोज कुमार ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में 7,43,904 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें 57.45 प्रतिशत यानी 4,27,394 महिलाएं हैं।

भारत की आर्थिक बुनियाद पिछले वैश्विक संकटों की तुलना में मजबूत, टैरिफ जैसी चुनौतियों का सीमित होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में दबाव के बीच भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पिछले वैश्विक संकटों के मुकाबले काफी मजबूत दिखाई दे रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल ने एक रिपोर्ट में कहा, टैरिफ जैसी वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू लचीलेपन और बेहतर राजकोषीय सेहत की बदौलत भारत की आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव काफी सीमित रहेगा। हालांकि, आईटी क्षेत्र में सुस्ती और करेंसी वार के बीच चीन से उत्पादों की डंपिंग का मामूली असर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में हाइब्रिड फंडों में एकमुश्त निवेश और अगले दो-तीन महीनों के लिए लार्जकैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉलकैप फंडों को लेकर चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया गया है। मोतीलाल ओसवाल ने शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर निवेश की सलाह दी है।

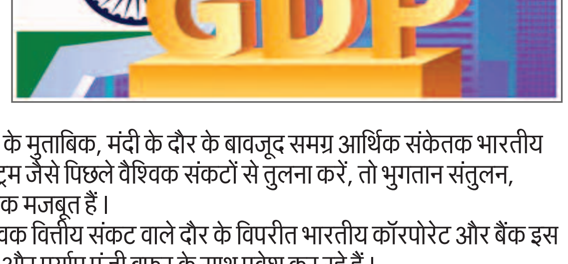

अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक पक्ष में- रिपोर्ट के मुताबिक, मंदी के दौर के बावजूद समग्र आर्थिक संकेतक भारतीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में हैं। 2013 के टेपर टैंट्रम जैसे पिछले वैश्विक संकटों से तुलना करें, तो भुगतान संतुलन, राजकोषीय और चालू खाता घाटे जैसे संकेतक मजबूत हैं।

मिड और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे- वैश्विक वित्तीय संकट वाले दौर के विपरीत भारतीय कॉरपोरेट और बैंक इस चरण में स्वस्थ बैलेंस शीट, काफी कम कर्ज और पर्याप्त पूंजी बफर के साथ प्रवेश कर रहे हैं।

मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे- भारतीय शेयर बाजारों पर रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में हुए सुधारों ने निफ्टी-50 में शामिल लार्जकैप शेयरों को मूल्य के लिहाज से अधिक आकर्षक बना दिया है। इनकी कीमतें उनके 10 वर्षीय अग्रिम औसत से नीचे आ गई हैं। हालांकि, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे बने हुए हैं।

दो जीत हासिल कर हुआ शुभमन का दिल गार्डन-गार्डन, बोले-आज मैं बहुत खुश हूं

हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं : गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। हमने इन दो मैचों के बारे में बात की थी। हमने तय करना था कि हम तालिका में कहां खड़े हैं। लगातार दो जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं। जीत के मंत्र पर बात करते हुए शुभमन ने कहा कि हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हममें से किसी एक को अंत तक टिके रहना है। हम सिर्फ इस बारे में बात करते हैं कि हम इन परिस्थितियों में कैसे रन बना सकते हैं और खेल को कैसे आगे ले जा सकते हैं। हम खेल में आगे थे, लेकिन आगे रहना एक बात है और खेल को खत्म करना दूसरी बात है। वहीं, वेंकी अय्यर के विकेट के बाद उत्साहित जश्न पर बोलते हुए शुभमन ने कहा कि ये मेरी कुछ भावनाएं थीं जो बाहर आ रही थीं। इस प्रारूप में एक आदर्श खेल होना मुश्किल है। हमेशा कुछ क्षेत्र होंगे। अगर मैं वहां रहता तो हम 10 रन और बना सकते थे। हमने गेंदबाजी में कुछ अप्रत्याशित गलतियां कीं लेकिन मुख्य बात यह है कि भले ही आप आदर्श खेल नहीं खेल रहे हों, आपको जीतने का तरीका खोजना होगा और हम इसमें वास्तव में इसमें अच्छे हैं। शुभमन गिल को 90 रन बनाने पर प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

गुजरात टाइटंस ने आखिरकार सीजन में 8 मैचों में अपनी छठी जीत हासिल कर ली। इसी के साथ वह अंक तालिका में पहले नंबर पर बरकरार है। उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स सात में से पांच मैच जीतकर दूसरे स्थान पर बनी हुई है। गुजरात ने सीजन में पंजाब (11 रन) और लखनऊ (6 विकेट) से ही मैच गंवाया है। इसके अलावा वह मुंबई, आरसीबी, हैदराबाद, राजस्थान, दिल्ली और अब कोलकाता से मैच जीत चुके हैं। वहीं, गत चैंपियन कोलकाता सातवें स्थान पर आ गई है। उन्हें 8 मैचों में 5वीं हार मिली है। उनके अब 6 अंक ही हैं। उन्हें प्लेऑफ की रेस में आगे बढ़ने के लिए आगामी सभी मैच जीतने होंगे।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर पत्नी ने लगाया घरेलू हिंसा का आरोप, मांगा 1 करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भारतीय क्रिकेटर अमित मिश्रा और उनके परिवार के खिलाफ उनकी पत्नी ने घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया है। अमित मिश्रा की पत्नी ने सातवें न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में घरेलू हिंसा का परिवाद दायर किया है और इसके साथ ही एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है।भारतीय क्रिकेट टीम के

खिलाड़ी अमित मिश्रा की पत्नी गरिमा ने अपने सास-ससुर बीना मिश्रा और शशिकांत मिश्रा, जेठ अमर मिश्रा, जेठानी रितु मिश्रा और ननद स्वाती मिश्रा को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। गरिमा का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने दहेज के रूप में 10 लाख रुपये नकद और एक कार की मांग की थी।

गरिमा तिवारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट सप्तम की अदालत में घरेलू हिंसा का परिवाद दायर किया है और एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। बिरहाना रोड, कानपुर निवासी गरिमा ने अपने पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 26 मई 2025 को निर्धारित की गई है। गरिमा ने इसके साथ ही एक करोड़ रूपए की क्षतिपूर्ति की मांग की है, स्त्रीधन का अधिकार और साझा गृहस्थी में रहने की मांग भी की है। गरिमा ने दावा किया है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने उनकी विदाई रोक दी थी। ढाई लाख रुपये देने के बाद ही विदाई हो सकी। गरिमा ने बताया कि उनके पति अमित उन्हें तिलक नगर स्थित आरबीआई कॉलोनी के एक घर में ले गए जहां ससुराल के लोग आकर उन्हें परेशान करते थे। गरिमा ने यह भी आरोप लगाया कि अमित उनके बहकावे में आकर गाली-गलौच और मारपीट करते थे। उन्होंने कहा कि मॉडलिंग से कमाए गए उनके पैसे भी अमित छीन लेते थे। इसके अलावा गरिमा ने आरोप लगाया कि अमित इंस्टाग्राम पर अन्य लड़कियों से बात करते थे और उन्हें तलाक की धमकी देते थे।

आईपीएल में फूटा मैच फिक्सिंग का बम !

लखनऊ से हार के बाद राजस्थान रॉयल्स पर लगे आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स को लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार मिली थी, अब इसी अब विवाद शुरू हो गया है. राजस्थान रॉयल्स की हार पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगने लगे हैं. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के कन्वेनर ने जयदीप बिहाणी का कहना है कि इस मैच में कुछ गड़बड़ जरूर हुई है. मैच की बात करें तो राजस्थान को 181 रन का टारगेट मिला था, और आखिरी ओवर में उन्हें जीत के लिए सिर्फ 9 रन चाहिए थे, वो भी तब जब उनके 6 विकेट बचे थे. लेकिन लखनऊ के बॉलर आवेश खान ने कमाल की बॉलिंग की और राजस्थान दो रन से हार गया. इस हार के बाद ही राजस्थान टीम पर सवाल उठे हैं. जयदीप बिहाणी को इस हार पर शक हुआ है. उन्होंने सवाल उठाया कि अपने ही होम ग्राउंड पर टीम ऐसे कैसे हार गई. एक इंटरव्यू में उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी 2013 में राजस्थान के कुछ खिलाड़ी स्पॉट फिक्सिंग में फंसे थे, और टीम का इतिहास थोड़ा विवादित रहा है.

उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि फ्रेंचाइजी के मालिक राज कुंद्रा भी पहले सट्टेबाजी के मामले में पकड़े जा चुके हैं, और इसके चलते टीम को दो साल के लिए बैन भी झेलना पड़ा था. इस बार भी उन्होंने बीसीसीआई से मांग की है कि मामले की जांच होनी चाहिए. फ्रेंचाइज़ी के मालिक राज कुंद्रा जब सट्टेबाजी में पकड़े गए थे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ-साथ राजस्थान की टीम पर भी 2016 और 2017 में दो सेशन लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था. इसके अलावा जयदीप बिहाणी का आरोप है कि आईपीएल की मेजबानी से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को बिना किसी ठोस वजह के दूर रखा गया उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स काउंसिल और राजस्थान रॉयल्स ने ये कहकर बहाना बनाया कि एसोसिएशन के पास सवाई मानसिंह स्टेडियम से कोई करार नहीं है. लेकिन सवाल ये है कि अगर करार नहीं भी था, तो क्या स्पोर्ट्स काउंसिल को हर मैच के पैसे नहीं मिल रहे?

राजस्थान की आईपीएल 2025 में हालत खराब

वैसे ये पहली बार नहीं है जब राजस्थान ने आखिरी ओवर में हार का सामना किया हो, इससे पहले भी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ वो 9 रन नहीं बना पाए थे और मैच सुपर ओवर में हार गए थे. अब तक राजस्थान ने 8 में से सिर्फ 2 मैच जीते हैं और पॉइंट्स टेबल में आठवें नंबर पर है. उनका अगला मैच 24 अप्रैल को आरसीबी से होगा.

रोहित पर स्टीव वॉ की तीखी टिप्पणी

उन्हें खुद को आईने में देखना होगा

मैड्रिड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ का मानना है कि आलोचनाओं का सामना कर रहे रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और आराम नहीं करना चाहिए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले कप्तानी पर फैसला लेना भी शामिल है। रोहित के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वॉ ने कहा कि भारत की कप्तानी का फैसला रोहित को खुद करना चाहिए। भारत जून में इंग्लैंड के साथ श्रृंखला की शुरुआत के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगा। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। उन्हें खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि क्या मैं अब भी कप्तान बनना चाहता हूं या भारत के लिए खेलना चाहता हूं? क्या मैं प्रतिबद्ध हूं? क्या मैं इसके लिए पर्याप्त समय और प्रयास कर रहा हूं? अपने देश के लिए खेलना एक सौभाग्य और सम्मान की बात है। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी के सदस्य वॉ ने कहा कि आप आत्मसंतुष्ट या आराम से नहीं रह सकते। रोहित 30 अप्रैल को 38 वर्ष के हो जाएंगे। बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली तीन टेस्ट श्रृंखला में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। उन्होंने खराब फॉर्म का हवाला देते हुए सिडनी टेस्ट से बाहर होने का फैसला किया जिसमें भारत इस साल की शुरुआत में 1-3 से श्रृंखला हार गया था।

बीमारी के कारण सुदीरमन कप से हटी सात्विक-चिराग की जोड़ी, बीएआई ने की पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएआई ने सोमवार को कहा, पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह टीम में किसी अन्य जोड़ी को नहीं भेजा जाएगा। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सोमवार को बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स से हटने का फैसला किया। ऐसे में 27 अप्रैल से चार मई तक चीन के शियामेन में होने वाली मिश्रित टीम चैंपियनशिप में देश की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की 11वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चोट के बाद वापसी करनी थीस लेकिन भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने घोषणा की कि सात्विक और चिराग इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। बीएआई ने सोमवार को कहा, पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है।

पंचकुला नहीं, अब इस शहर में होगा नीरज चोपड़ा का मुकाबला; किस कारण किया गया परिवर्तन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का मुकाबला अब पंचकुला के बजाए बंगलूरू में होगा। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट में नीरज के अलावा कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे जिसमें एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर शामिल हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है।

नीरज ने अरशद नदीम को किया आमंत्रित

ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं। नीरज ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया है जिन्होंने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

नीरज ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे।

विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकीं ओलंपिक पदक विजेता भाकर, सिमरनप्रीत को रजत

लीमा (पेरू), एजेंसी। भारत की 20 वर्षीय सिमरप्रीत ने 10 रेपिड फायर सीरीज में 33 हिट लगाए और वह चीन की सुन युजी से सिर्फ एक शॉट पीछे रहीं जिन्होंने इस स्पर्धा में अपना लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता। भारतीय निशानेबाज सिमरनप्रीत कौर बरार ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक के साथ अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता मनु भाकर पेरू के लीमा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में सोमवार को चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं।

सिमरनप्रीत को रजत पदक

भारत की 20 वर्षीय सिमरनप्रीत ने 10 रेपिड फायर सीरीज में 33 हिट लगाए और वह चीन की सुन युजी से सिर्फ एक शॉट पीछे रहीं जिन्होंने इस स्पर्धा में अपना लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता। चीन की एक अन्य निशानेबाज याओ कियानशुन ने 29 हिट के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह भारत का प्रतियोगिता में चौथा रजत है। इसके अलावा दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी भारत ने जीते हैं।

दिलचस्प रहा मुकाबला

अर्जेंटीना में पिछले विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली ईशा सिंह छठे स्थान पर रहीं। पहली सीरीज के बाद ही चीन की खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंच गईं जबकि भारतीय निशानेबाजों ने दूसरी सीरीज से ही अपनी लय हासिल कर ली। छठी सीरीज में मनु

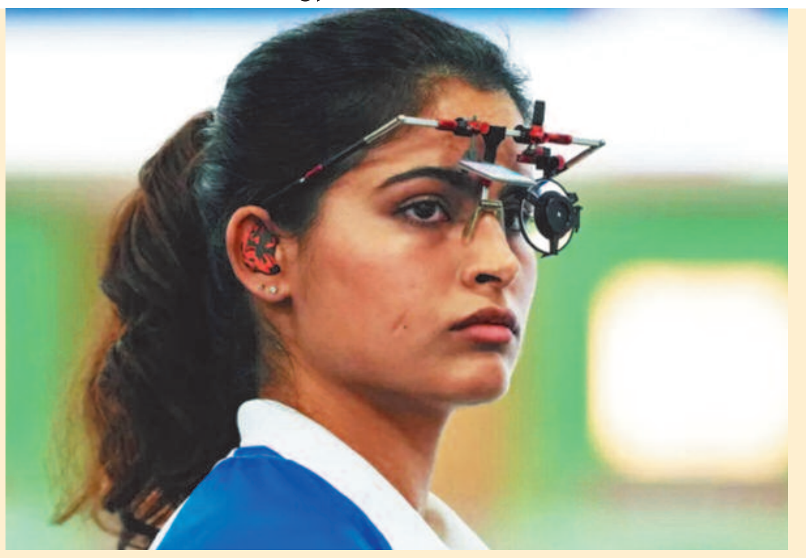

और सिमरनप्रीत दोनों ने पांच-पांच शॉट लगाए जबकि ईशा ने चार निशाने लगाए। इसके बाद मनु, ईशा और जर्मनी की डोरेन वेनकेम्प के बीच शूट ऑफ हुआ। ईशा सबसे पहले बाहर हो गईं। इसके बाद मनु ने दूसरे शूट ऑफ में डोरेन को पछाड़कर शीर्ष चार में जगह बनाई।

पदक से चूकीं मनु भाकर

मनु हालांकि अगली सीरीज के बाद एक अंक से पिछड़कर बाहर हो गईं। इससे पहले मनु, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा और सिमरनप्रीत की तिकड़ी ने फाइनल में जगह सुनिश्चित की। मनु 585 अंक के साथ क्वालिफाइंग में दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत ने 580 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ईशा ने 575 अंक हासिल कर आठवां और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान अपने नाम किया।

मनु को 10 मीटर एयर पिस्टल में मिला था रजत

इससे पहले मनु 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण से चूक गई थीं। युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने मनु को हराकर लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता था। 18 साल की सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। उन्होंने लीमा विश्व कप में 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाया और मनु को 1.3 अंक से हराकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया था।

'बॉलीवुड आपके बिना खुश'

अनुराग कश्यप पर पायल घोष भड़कीं

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए गए विवादित बयान को लेकर मामला बढ़ता जा रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच के साथ ही फिल्म जगत के कई सितारे उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। कश्यप के बयान से नाराज अभिनेत्री पायल घोष ने पोस्ट शेयर कर कहा कि वह बॉलीवुड से दूर रहें, इंडस्ट्री उनके बिना खुश है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बॉलीवुड से भाग जाना और दूर रहना एक अच्छा ऑप्शन है अनुराग कश्यप। बॉलीवुड आपके बिना खुश है, तो आप यहां से दूर रहो। कर्म बुरा होगा तो फल भी बुरा ही मिलेगा। अनुराग कश्यप के बयान पर सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाल ही रिलीज होने वाली फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप के विवादित बयान के बाद से ब्राह्मण समाज गुस्से में है और वह उनकी फिल्म फुले को बॉयकॉट करेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे और हमारा विरोध जारी रहेगा, अनुराग कश्यप को सबक सिखाने का काम करेंगे। बयान को लेकर लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी अनुराग कश्यप की निंदा करते नजर आए। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कश्यप को कड़ी चेतावनी देते हुए मनोज ने कहा, तुम्हारे जैसे हजारों नफरती खत्म हो जाएंगे, लेकिन ब्राह्मणों की परंपरा और गौरव अटल रहेगा। आमदनी कम हो तो खर्चों पर और जानकारी कम हो तो शब्दों पर कंट्रोल रखना चाहिए। अनुराग कश्यप तुम्हारी तो आमदनी भी कम है और जानकारी भी, इसलिए दोनों पर कंट्रोल रखो। तुम्हारे शरीर में इतना पानी नहीं है कि ब्राह्मणों की विरासत को एक इंच भी दूषित कर पाओ। मनोज मुंतशिर ने अनुराग कश्यप को ह?दायत दी, रहने के लिए दुनिया में कई अच्छी जगहें हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि औकात में रहो। ब्राह्मण समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में अनुराग कश्यप के खिलाफ दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी आलोचना की। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद शुक्रवार को अनुराग कश्यप ने इस टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

मोनालिसा को है एक गाने से बेइंतहा प्यार

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा अपने हॉट लुक को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके हुस्न का बोलबाला है। कभी वह अपने बिकिनी लुक को लेकर चर्चाओं में रहती हैं, तो कभी साड़ी लुक से फैंस की नींदें चुरा लेती हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें वह बैकलेस टॉप में कातिल अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। उनकी ये फोटोज तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अपनी तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने एक गाने से खास लगाव की भी बात बताई है। फोटोज में एक्ट्रेस बेबी पिंक कलर के बैकलेस टॉप में नजर आ रही हैं। उन्होंने डेनिम जींस और मैचिंग जूती के साथ अपने लुक को पूरा किया है। साथ ही अपने बालों को खुला छोड़ा है। फोटोज में उनका बिंदास अंदाज देख फैंस उनके कायल हो रहे हैं। पहली फोटो में वह अपना बैकलेस टॉप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं और कैमरे की ओर देख रही हैं। वहीं दूसरी फोटो में वह पलकों को झुकाए हुए पोज दे रही हैं। तीसरी फोटो में बोल्ड एक्सप्रेशन देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, अन्य फोटोज में भी उनका ग्लैमरस अंदाज लोगों को अपनी ओर खींचने का काम कर रहा है। फैंस उनके इन फोटोज को काफी पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों में बॉम्बे फिल्म के गीत- कहना ही क्या को जोड़ा गया है। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है- क्योंकि मुझे इस गाने से बेहद प्यार है। मोनालिसा ने इंस्टा स्टोरी पर भी फोटो और कुछ वीडियोज शेयर की, जिसमें वह एक पार्टी क्लब में नजर आ रही हैं। एक पोस्ट में उन्होंने साल 2016 में रिलीज हुई हॉरर मूवी राज~ रीबूट का गाना राज आंखें तेरी भी जोड़ा और इसे अपना पसंदीदा सॉन्ग बताया।

नेपो किड्स पर नुसरत ने साधा निशाना

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने सिनेमा की दुनिया में अपने संघर्षों को लेकर बात की। इसके अलावा अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में एंट्री के किसी दरवाजे का का भी किया जिक्र। हाल ही में अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपने सिनेमाई संघर्षों के बारे में बात की और नाखुश दिखीं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे जान-पहचान वालों के लिए सिनेमा में जगह बनाना आसान हो जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि निर्देशकों से एक बार मिलने के लिए उन्हें बहुत संघर्ष करने पड़े थे।

नुसरत भरूचा ने क्या कहा?

अभिनेत्री नुसरत भरूचा इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान वह शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंची, जहां उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि उन लोगों को इंडस्ट्री से बहुत फायदा होता है, जिन्हें लोग पहले से पहचानते हैं या फिर उनके माता-पिता को जानते हैं। जान-पहचान की वजह से वो लोग उस जगह पर पहुंच जाते हैं, जहां इंडस्ट्री में नए एक्टर्स नहीं पहुंच पाते हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने बताया कि वो उन दरवाजों पर दस्तक दे सकते हैं, जिन्हें नए या अनजान लोगों को पता नही होता है, जिस कारण वह आसानी से अपने लक्ष्य की ओर पहुंच जाते हैं। इसी वजह से उन लोगों को काम आसानी से मिल जाता है।

अभिनेत्री ने अपने संघर्ष की सुनाई कहानी

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बताया कि उन्हें किसी फिल्म निर्माता या निर्देशक से मिलने के लिए भी बहुत संघर्ष करने पड़ते थे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह किसी को नेपो किड्स नहीं कहना चाहेंगी, क्योंकि सबके अपने-अपने संघर्ष हैं।

वहीं, उन्होंने कुछ नामों का भी जिक्र किया, जिन्होंने अभिनेत्री के मुश्किल दिनों में उनकी सहायता की। नुसरत ने बाताया कि निर्देशक कबीर खान ने उन्हें मिलने का समय दिया और उनका दिन बन गया था, इस वजह से वह कई दिनों तक खुश रही थी।

कुणाल ने बताया ज्वेल थीफ की शूटिंग का अनुभव

सैफ देर से आते थे, उनके साथ काम करना मुश्किल

सैफ अली खान इन दिनों अपनी आगामी हीस्ट ड्रामा थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनके साथ कुणाल कपूर भी मुख्य भूमिका में हैं। अब कुणाल ने सैफ के साथ शूटिंग का अनुभव साझा किया है।

सैफ अली खान नेटफ्लिक्स की आगामी एक्शन से भरपूर हीस्ट थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ में एक चालाक चोर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म इस हफ्ते ही रिलीज होने वाली है। वहीं, तेजी से फिल्म का प्रचार भी शुरू हो चुका है। अब इस दौरान जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता हाल ही में अपने फिल्मांकन के अनुभव के बारे में एक मजेदार बातचीत के लिए बैठे। इस दौरान कुणाल के चुटीले अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

कुणाल कपूर ने साझा किया शूटिंग का अनुभव

जयदीप और निकिता ने सेट पर की गई सारी मस्ती को याद किया। फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में कुणाल ने मजाक में दावा किया कि उनका अनुभव बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, अकेलापन इसलिए क्योंकि मैं फिल्म में उनके साथ नहीं हूं, मैं उनका पीछा कर रहा हूं, इसलिए मैं सेट पर अकेला था। ये लोग साथ में खूब मस्ती करते थे।

सैफ के साथ काम करने का अनुभव

सैफ के साथ काम करने के बारे में पूछे जाने पर कुणाल ने कुछ चुटकुले सुनाए। उन्होंने मजाक में कहा, वह एक दर्द है। उसके साथ काम करना मुश्किल था। वह समय पर नहीं आते थे था और जब आते थे तो उन्हें अपनी लाइन नहीं आती थी और फिर हमें तब तक इंतजार करना पड़ता था, जब तक वह अपनी लाइन नहीं सीख लेते थे। फिर एक के बाद एक टेक।

इन दिन रिलीज होगी फिल्म

बाकी कलाकारों ने भी मजाक में कहा कि चूंकि सैफ सोशल मीडिया पर नहीं है, इसलिए वह कुणाल के कमेंट्स नहीं देख पाएंगे, लेकिन वे सभी इस बात पर सहमत थे कि अगर यह अखबारों में छपा तो सैफ को जरूर पता चल जाएगा। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और सुमित अरोड़ा द्वारा लिखित ज्वेल थीफ एक हाई-ऑक्टेन डकैती थ्रिलर है। ज्वेल थीफ का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को होगा।

आपको जो प्यार-शोहरत मिल रही है, आप उसके हकदार हैं, केसरी 2 के निर्देशक की तारीफ में बोले माधवन

अभिनेता आर. माधवन इन दिनों फिल्म केसरी 2 में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन करण त्यागी ने किया है। आज सोमवार को उनके जन्मदिन पर माधवन ने एक पोस्ट शेयर किया है। फिल्म केसरी 2 सिनेमाघरों में लगी है। करण त्यागी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ आर. माधवन भी अहम रोल में हैं। आज सोमवार 21 अप्रैल को निर्देशक करण त्यागी का जन्मदिन है। इस मौके पर माधवन ने एक पोस्ट शेयर कर करण की तारीफ की है। साथ ही करण को शुक्रिया अदा किया है कि उन्होंने उन्हें अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित किया। माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ माधवन ने लिखा है, सबसे ईमानदार, मेहनती और प्रतिभाशाली निर्देशक के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। एक्टर ने केसरी 2 के निर्देशक को टैग करते हुए लिखा, आपके साथ काम करके बहुत खुश हूं और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

करीना बनीं अम्मा तो करिश्मा बनीं लोलो मां, इस खास चीज ने खींचा फैंस का ध्यान

बॉलीवुड में जब भी सिस्टर्स की बात होती है, तो कपूर सिस्टर्स यानी करीना और करिश्मा का नाम जरूर आता है, जिन्हें फैंस प्यार से लोलो-बेबो कहकर बुलाते हैं। दोनों बहनें सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। करिश्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ ताजा तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक खास चीज ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। तस्वीर में करिश्मा लोलो मां और करीना अम्मा की टैग वाली टोपी पहने नजर आ रही हैं। लुक्स की बात करें तो करिश्मा ने स्ट्राइप ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह कमाल लग रही हैं। उन्होंने ड्रेस के ऊपर बेहद खूबसूरत जैकेट भी कैरी की और अपने लुक को सनग्लासेस से पूरा किया। इस ड्रेस के साथ उन्होंने वाइट शूज पहने। वहीं, करीना गोल्डन टॉप में नजर आईं और उन्होंने ऊपर से व्हाइट जैकेट कैरी की। दोनों की टोपी उनके लुक को और भी मजेदार बना रही थीं।

एकता कपूर ने की केसरी चैप्टर 2 की प्रशंसा, फिल्म में एक कलाकार के लिए लिखा बॉस इन फॉर्म

फिल्म केसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज हुई है। यह अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की पीरियड कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसे करण सिंह त्यागी ने डायरेक्ट किया है। निर्देशक एकता कपूर ने फिल्म की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है और साथ ही फिल्म के एक कलाकार के लिए लिखा बॉस इन फॉर्म... क्या आप बता सकते हैं कौन है वह कलाकार, जिसके अभिनय की दीवानी हो गई हैं एकता... यह फिल्म रघु और पुष्पा पलात की किताब द केस दैट शुक द एम्पायरपर आधारित है, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की सच्ची कहानी बताती है। फिल्म में अक्षय कुमार वकील सी शंकरन नायर की भूमिका में हैं, जो हत्याकांड के पीड़ितों के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ते हैं।

डांस की दीवानी सुम्बुल तौकीर करना चाहती हैं इस खास प्रोजेक्ट पर काम

टीवी सीरियल काव्या एक जज्बा एक जुनून फेम सुम्बुल तौकीर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी एक्टिंग और डांस वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। उन्हें एक्टिंग जितनी पसंद है, उससे कहीं ज्यादा डांस की दीवानी हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस ने डांस पर आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह डांस थीम पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शोज भी करना चाहती हैं। सुम्बुल ने कहा, मैं डांस पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शो करना पसंद करूंगी। यह मेरे लिए सिर्फ एक कला नहीं बल्कि एक एहसास है। यह मेरे लिए सुकून है। अकेलापन हो या खुशी का अवसर, डांस मेरे लिए एक खास दोस्त की तरह है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरी जिंदगी में कई बार ऐसा वक्त भी आया, जब न तो किसी का साथ काम आया और न ही शब्द, एक डांस ही था, जिसने मुझे संभाले रखा। जब मैं डांस करती हूं, तो मुझे एक अलग ही सुकून मिलता है। मैं खुद को आजाद महसूस करती हूं। मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहूंगी, जो डांस के जरिए कहानी बयां करे। यह दिल से जुड़ा एक खास एहसास है। मैं हर धड़कन को महसूस करना चाहती हूं, हर पल को जीना चाहती हूं। अगर ऐसा कोई प्रोजेक्ट मेरे पास आता है, तो यह मेरी प्रार्थनाओं का असर होगा।

'हमें नए लोगों के दिमाग को समझना पड़ेगा', इमरान हाशमी ने बताया कैसी फिल्में बनाने की है जरूरत

अभिनेता इमरान हाशमी ने बताया कि कैसे हमें नए अभिनेताओं और निर्माताओं के साथ काम करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि किस तरह की फिल्में बनाने की जरूरत है। अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कश्मीर से लेकर मुंबई तक में फिल्म की स्क्रीनिंग की जा रही है और पूरी टीम फिल्म के प्रचार में जुटी है। इस बीच इमरान हाशमी ने सिनेमा की दुनिया में प्रासंगिक बने रहने या नए निर्माताओं के साथ काम करने के लिए क्या करना चाहिए इस पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को समझना और उनसे सीखना मौजूदा वक्त में बने रहने के लिए बहुत जरूरी है।

नए अभिनेताओं-निर्माताओं को समझना जरूरी

हाल ही में बातचीत में इमरान हाशमी ने नए लोगों के साथ काम करने के लिए किस तरह से संतुलन बनाना जरूरी है, इसको लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, जब आप एक निश्चित उम्र पार कर लेते हैं, जब नए तरह के अभिनेता और फिल्म निर्माता आते हैं, तो प्रासंगिकता और उनसे जुड़ना बहुत जरूरी हो जाता है।

साभार एजेंसी